Ranchi • Saturday, 07 September 2024 • Year : 02 • Issue : 230 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं
दफोटोन न्यूज़
Published from Ranchi

ऊर्जा विभाग अंतर्गत

मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना

हर माह
200
यूनिट
बिजली मुफ्त

जे.बी.वी.एन.एल से
व्हाट्सएप नंबर पर जुड़ें
9431135503

200 यूनिट तक बिजली उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल माफ

मुख्य बिन्दु

- **आर्थिक रूप से कमजोर घरेलू उपभोक्ताओं** को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना के तहत सभी तरह के शुल्क यथा **Energy Charge, Fixed Charge, Electric Duty, FPPPA Charge** आदि की छूट 200 यूनिट तक मासिक खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जाएगी।
- यह योजना **जुलाई 2024** के बिलिंग माह से लागू की जाएगी।
- **33,07,294** ग्रामीण घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।
- **6,37,095** शहरी घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।
- 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली योजना हेतु झारखण्ड सरकार प्रतिमाह लगभग **₹350 करोड़ सब्सिडी** के रूप में झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को उपलब्ध करायेगी।
- करीब **40 लाख** घरेलू उपभोक्ता को लाभान्वित करने का लक्ष्य।

टॉल फ्री हेल्पलाइन नंबर:
1912/1800-123-8745/1800-345-6570

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

BRIEF NEWS

डीजीपी के निर्देश पर आमलोगों की शिकायतों को सुनेंगे डीएसपी

RANCHI : आम लोगों के शिकायतों का त्वरित और प्रभावकारी तरीके से समाधान के लिए सभी जिला में जन शिकायत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने निर्देश दिया है। डीजीपी के निर्देश के बाद रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर सभी डीएसपी के बीच थाने का बंटवारा किया है। संबंधित थाना क्षेत्र के लोग डीएसपी के पास पहुंच कर अपनी शिकायत बतायेंगे, जिस पर कार्रवाई की जायेगी। साथ ही एसएसपी ने शिकायत दर्ज कराने के लिए फोन नंबर, वाट्सएप नंबर और ई-मेल एड्रेस भी जारी की है। जन शिकायत कार्यक्रम 10 सितंबर को दिन के 11 बजे से 12 सितम्बर तक होगा।

मुख्यमंत्री से मिले रांची विश्वविद्यालय के कुलपति

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

13 से रांची में मिडडर्माकॉन का आयोजन, जुटेंगे देश विदेश के हजारों डॉक्टर

RANCHI : रांची में 13 सितंबर से मिडडर्माकॉन का आयोजन होने जा रहा है। इसी आयोजन को लेकर शुक्रवार को आईएमए भवन में इंडियन एसोसिएशन ऑफ डमेटौलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट ने प्रेसवार्ता की। संस्था के चेयरमैन डॉ प्रभात कुमार ने जानकारी दी कि तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होटल बीएनआर चाणक्य में किया जाएगा। जिसमें देशभर से 1000 से अधिक त्वचा रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। उन्होंने कहा यह त्वचा रोग विशेषज्ञों का सबसे बड़ा सम्मेलन है और हमें यह घोषणा करते हुए गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि पहली बार झारखंड में इतने बड़े पैमाने पर इसका आयोजन किया जा रहा है। देश के कुछ बेहतरीन डॉक्टरों से बातचीत करके और त्वचा रोग के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के बारे में जानकर डॉक्टरों को बहुत लाभ होगा।

12 नेत्रदाताओं के परिवारों को किया गया सम्मानित

RANCHI : 39वीं राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के तहत क्षेत्रीय नेत्र संस्थान रिम्स में नेत्रदाता परिवार सम्मान समारोह का न्यू ट्रामा सेंटर में शुक्रवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाएं के निदेशक प्रमुख डॉ चन्द्र किशोर शाही विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में 12 नेत्रदाताओं के परिवारों को सम्मानित किया गया, जिनमें अदम्य साहस दिखाते हुए अपने प्रियजनों के नेत्र दान कर के किसी के जीवन को रौशन किया है। साथ ही नेत्रदान जैसे महादान में कई लोग अहम भूमिका निभाते हैं। जैसे पुलिस, ग्रीफ काउंसलर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, लैब तकनीशियन, वार्ड बॉय, ट्रॉलीमैन, उन सभी को इस नेक कार्य में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

जलस्रोतों को संरक्षित व अतिक्रमण मुक्त करने से जुड़ी याचिका पर हुई सुनवाई

बड़ा तालाब की लगातार सफाई पर ध्यान दे सरकार : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने रांची में जल स्रोतों के संरक्षण एवं रांची के तीन डैम की साफ-सफाई और उसे अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई की। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने बड़ा तालाब में फिर से बदबू आने को गंभीरता से लेते हुए मौखिक कहा कि सरकार को बड़ा तालाब की लगातार सफाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम से पूछा कि रांची के बड़ा तालाब से फिर बदबू क्यों आ रही है? इसके आसपास के सभी नाली केगंदे पानी को वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्यों नहीं जोड़ा गया है?

कोर्ट में उपस्थित हुए जेएसएससी के अध्यक्ष

शुक्रवार को हाईकोर्ट की एकल पीठ में जेएसएसी के अध्यक्ष प्रशांत कुमार सशरीर उपस्थित हुए। उन्होंने पीठ को बताया कि जेएसएससी ने हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन कर लिया है। जेएससीसी ने कल शाम ही स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 का 26 विषयों का स्टेट मेरिट लिस्ट जारी कर दिया है। याचिकाकताओं ने कोर्ट से कहा कि राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट में कुछ गड़बड़ियां हैं, जिस पर कोर्ट ने याचिकाकताओं को अपनी आपत्ति पर संक्षिप्त शपथ पत्र दाखिल करने के लिए 18 सितंबर तक का समय दिया। साथ ही जेएसएससी को कोर्ट ने छूट दी है कि वह प्रति उत्तर 24 सितंबर तक दाखिल कर सकता है। कोर्ट ने अगली सुनवाई में 26 सितंबर में जेएसएससी अध्यक्ष की उपस्थिति को खत्म कर दिया।

सिर्फ बड़ा तालाब के बगल की एक नाली को वॉटर ट्रीटमेंट से जोड़ने से से काम नहीं चलेगा? बड़ा तालाब के आसपास के सभी नालियों को वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़कर ट्रीटमेंट होने के बाद साफ पानी को बड़ा तालाब में जाने दिया जाए, ऐसी व्यवस्था रांची नगर निगम को सुनिश्चित करनी होगी। खंडपीठ ने मामले में रांची नगर निगम एवं नगर विकास विभाग को इन बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर निर्धारित की है। इससे पहले भी खंडपीठ को बताया गया कि गर्मी में बड़ा तालाब में बदबू आना शुरू हुआ था। बड़ा तालाब से बदबू आने से वहां रहने वाले आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। रांची नगर निगम ने सफाई के नाम पर बड़ा तालाब में ई-बॉल डालने की बात कही थी लेकिन उसका भी कुछ असर नहीं हो रहा है। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रांची शहर के कांके डैम, धुर्वा डैम और गेतलसूद डैम में पिछले 5 साल में पानी की स्थिति को लेकर झारखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर की ओर से सर्वे किया जा रहा है।

प्रदर्शनी युवाओं के लिए प्रेरणादायक

भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम अद्वितीय : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य, पराक्रम और अनुशासन अद्वितीय है। उन्होंने पूर्वी कमान को इसके आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल हमारी सेना के अद्वितीय कौशल का प्रदर्शन है, बल्कि युवाओं के लिए अनुशासन और प्रेरणा का भी महत्वपूर्ण स्रोत है। राज्यपाल मोरहाबादी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय सशक्त सेना-समृद्ध भारत प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के तीनों अंग थल सेना, वायु सेना और नौसेना का सहभागिता करना सराहनीय है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को नवीनतम सैन्य उपकरण, हथियार और भारतीय सेना की बढ़ती ताकत को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत हो रहे रक्षा क्षेत्र में देश की प्रगति का भी प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आज हथियार के मामले में आत्मनिर्भर है। हमारे देश द्वारा अत्याधुनिक हथियार और उपकरणों का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, लेफ्टिनेंट जनरल राम चन्द्र तिवारी, जीओसी-इन-सी, ईस्टर्न कमांड, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव पुरी, जीओसी, ब्रह्मास्त्र कोर, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, जीओसी, कॉकरेल डिवीजन सहित सेना के कई वरीय पदाधिकारी एवं सैन्य कर्मी तथा उनके परिवार के सदस्य, गणमान्य अतिथि एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

गवर्नर ने दी शुभकामनाएं

राज्यपाल ने कहा कि हम चैन की नींद इसलिए सो पाते हैं क्योंकि, हमारे वीर जवान दिन-रात सरहदों की रक्षा करते हैं। उन्होंने देश के उन सभी वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता अर्पित की जिन्होंने अपने साहस और बलिदान से देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राज्यपाल ने सेना के जवानों, अधिकारियों और उनके परिवारों के त्याग और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका अनुकरणीय योगदान देश को सशक्त और सुरक्षित बनाए रखता है। उन्होंने इस प्रदर्शनी को युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी सेना में सेवा करने की भावना को जागृत करेगी और देशभक्ति तथा अनुशासन की भावना को और मजबूत करेगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों और आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान कई सेना द्वारा प्रदर्शित साहसिक गतिविधियां और मोटर साइकिल डेयर डेविल्स शो ने दर्शकों का मन मोह लिया।

घर में घुसकर बुजुर्ग महिला से झपट ली सोने की चेन

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में स्नैचर्स अब घरों में घुस कर भी महिलाओं से चेन छीन ले रहे हैं और फरार भी हो जा रहे हैं। अपराधी कितने बेखौफ है इसका अंदाजा सीसीटीवी फुटेज को देख कर लगा सकते हैं।

शुक्रवार की सुबह रांची के पंडरा इलाके में एक बुजुर्ग महिला से उनके घर में घुस कर अपराधियों ने उनकी सोने की चेन छीन ली। रांची में स्नैचरों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि अब वे घर - दुकान में घुस कर भी महिलाओं को अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला रांची के पंडरा थाना क्षेत्र का है। यहां 65 साल की बुजुर्ग महिला मंजू सिंह से उस समय अपराधियों ने सोने की चेन छीन ली जब वे अपने घर के बाउंड्री वाल के अंदर स्थित पशु आहार दुकान में झाड़ू लगा रही थी। मंजू सिंह ने बताया कि दो की संख्या में आए मोटरसाइकिल सवार चैन स्नैचरों में से एक उनके घर के अंदर आया और कैल्सियम की दवा मांग उन्हें अपनी बातों में उलझाया और मौका पाकर सोने की चेन झपट फरार हो गया। बुजुर्ग महिला मंजू सिंह ने दुकान से बाहर आकर शोर भी मचाया लेकिन तब तक दोनों अपराधी मौके से फरार हो चुके थे।

दिउड़ी मंदिर में तालाबंदी करने वालों की गिरफ्तारी की मांग, बंद रहा बुंडू व तमाड़

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के तमाड़ स्थित दिउड़ी मंदिर ट्रस्ट के गठन के विरोध में हिंदू और आदिवासी संगठन आमने सामने हैं। ग्रामीणों ने गुरुवार को मंदिर में ताला जड़ दिया था। जिसके विरोध में विभिन्न संगठनों ने शुक्रवार को तमाड़ और बुंडू बंद का आह्वान किया है।

शुक्रवार को बंद के आह्वान की घोषणा के बाद से बुंडू और तमाड़ में बंद का असर देखने को मिला। बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों की ज्यादातर दुकान बंद है जबकि तमाड़ क्षेत्र भी पूरी तरह बंद है। बंद समर्थक सड़कों पर उतरे और जो दुकानें बंद नहीं थीं, उनसे बंद का समर्थन करने को कहा गया। सड़कों पर बंद कराने वालों की मांग है कि मंदिर में ताला लगाने वालों की गिरफ्तारी हो नहीं तो आज बुंडू और तमाड़ बंद है कल पूरा झारखंड बंद रहेगा। बुंडू और तमाड़ में बंद का ज्यादा असर देखने को मिला, सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान रहीं। लोगों ने मंदिर में ताला लगाने वालों के खिलाफ नारेबाजी कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। दरअसल यह मामला पिछले तीन दिनों से सुर्खियों में बना हुआ है। रांची के तमाड़ स्थित प्रसिध्द दिउड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर गुरूवार को आदिवासी समूह द्वारा ताला लगा दिया। जिसके बाद पुलिस द्वारा समझा-बुझाकर ताला को खुलवाया गया। लेकिन अगले ही दिन यानी शुक्रवार को मंदिर में ताला लगाने वालों के खिलाफ लोग सड़क पर उतर आए हैं और गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। यह मंदिर इसलिए भई चर्चा में है क्योंकि इस मंदिर से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का गहरी आस्था है। वे जब भी रांची जाते हैं इस मंदिर पर पूजा करते हैं। लेकिन पिछले तीन दिनों से यह मंदिर सुर्खियों में बना हुआ है। मंदिर के ट्रस्ट के गठन के विरोध में हिन्दू और आदिवासी संगठन आमने सामने हैं।

जुलूस निकालते लोग। ● फोटोन न्यूज

जदयू ने बुलाई कार्यसमिति की बैठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा भी होंगे शामिल

RANCHI : झारखंड में जदयू अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। हालत यह है कि पार्टी के पास ना तो अपना चुनाव चिन्ह है और ना ही संगठनात्मक मजबूती। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। एनडीए फोल्डर में रहकर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे झारखंड जदयू ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर प्रदेश कार्यसमिति की आवश्यक बैठक बुलाई है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरु महतो के अनुसार यह बैठक सामान्य से अलग होगी जिसमें पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश प्रभारी अशोक चौधरी, श्रवण कुमार जैसे नेताओं की मौजूदगी में विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनेगी।

मुख्यमंत्री ने मिलने आए लोगों की सुनी समस्याएं

लोगों की समस्या सुनते सीएम हेमंत सोरेन। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अपने कांके रोड स्थित आवास पर लोगों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उसे दूर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। जानकारी के मुताबिक सुबह में 24 लोग मुख्यमंत्री के आवास पर पहुंचे। सभी को आवास के भीतर ले जाया गया और इसकी जानकारी मुख्यमंत्री को दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अलग-अलग लोगों से मुलाकात की। उनके आवेदन देखे और कार्रवाई का निर्देश दिया, जो लोग आवेदन लेकर नहीं आये थे, उनकी बातों को सुनकर अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया।

कांग्रेस के झारखंड सह प्रभारी सप्तागिरी शंकर व डॉ. वेला प्रसाद पहुंचे रांची

RANCHI : कांग्रेस के झारखंड सह प्रभारी सप्तागिरी शंकर उल्का और डॉक्टर वेला प्रसाद शुक्रवार को रांची पहुंचे। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित अन्य नेताओं ने पुष्प गुच्छ देकर और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मौके पर मदन मोहन शर्मा, संजय लाल पासवान, कुमार राजा, राकेश किरण महतो, सतीश पौल मुजनी, विनय सिन्हा दीपु,रमा खलखो सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर दोनों झारखंड सह प्रभारी सिमडेगा के लिए रवाना हो गए। वहां दोनों जिला कांग्रेस कमेटी ,प्रखंड, मंडल पंचायत कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी अग्रणी संगठन और प्रमुख कांग्रेस नेताओं के संवाद आपके साथ कार्यक्रम में भाग लेंगे।

बड़ी संख्या में कांके के किसानों ने ली बेहतर जैविक खेती करने की ट्रेनिंग

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को कांके प्रखंड क्षेत्र के खटंगा गांव में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत ऑर्गेनिक फार्मिंग अथॉरिटी ऑफ झारखंड के बैनर तले वैदिक ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी रांची की ओर से किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार ने प्रशिक्षण दिया। इसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया कि किसान जैविक खेती करके अपनी भूमि को लंबे समय तक उपजाऊ बनाकर टिकाऊ खेती कर सकते हैं। कम लागत में उत्पादन से अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। जैविक उत्पाद का प्रयोग अपने भोजन के रूप में करके हम सभी स्वस्थ रह सकते हैं। जैविक खेती करने का तौर-तरीका भी बताया गया। इस अवसर पर किसानों को प्रशिक्षण देते मुख्य प्रशिक्षक अनुज कुमार ने कहा कि जैविक खेती एक शून्य बजट की खेती है। इससे हम अपने गांव में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से कई प्रकार के खाद कीटनाशक टॉनिक का निर्माण कर अपने खेतों में प्रयोग कर सकते हैं। मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर अमन कुमार, कांग्रेस नेता जमील अख्तर, क्षेत्र पदाधिकारी मोतीउर रहमान, रीता देवी, बसंती देवी, सुनीता देवी, उनिता देवी, मेघनाथ महतो, अनिता देवी सहित लगभग 200 किसान उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेतीं महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव ने पीएम आवास योजना के लक्ष्य को पूरा करने का दिया निर्देश

लाभुकों को ऋण नहीं दिए जाने पर जताई नाराजगी

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों को प्रमुख अग्रणी बैंकों द्वारा ऋण नहीं दिये जाने को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने बैंकों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि अगली बैठक तक लक्ष्य हर हाल में पूरा कर लिया जाये।

बैंकर्स आवासीय उप समिति की बैठक करते नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील कुमार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सुनील कुमार ने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार में राज्य स्तरीय बैंकर्स आवासीय उप समिति की बैठक में यह निर्देश दिया। बैठक में राज्य के सभी बैंकों द्वारा गृह ऋण स्वीकृति की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा में बैंकों के द्वारा हाउसिंग फाइनेंस विशेष कर प्राथमिकता क्षेत्र में किये जा रहे निम्न स्तरीय प्रदर्शन पर प्रधान सचिव द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया एवं सभी बैंकों को निर्देश दिया गया कि अगली बैठक में लक्ष्य एवं उपलब्धि विषय पर समीक्षा की जायेगी। प्रदर्शन में सुधार नहीं होने पर वित्त विभाग को सूचित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लाभुकों विशेष कर पांच लाख से नीचे के गृह ऋण स्वीकृति में बैंकों की कोई रुचि नहीं है। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की किफायती आवास परियोजनाओं के इच्छुक लाभुकों के निकायवार गृह ऋण आवेदन की स्वीकृति एवं लंबित आवेदनों की समीक्षा विशेष तौर पर की गई। सुनील कुमार ने कहा कि राज्य के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा द्वारा अभी तक योजनान्तर्गत एक भी गृह ऋण की स्वीकृति प्रदान नहीं की गयी है जो अत्यंत खेदजनक है। एकमात्र केनरा बैंक द्वारा 1200 लाभुकों को राज्य में गृह ऋण प्रदान किया गया है। प्रधान सचिव द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी सम्बंधित बैंक एक माह में सभी जमा आवेदनों की समीक्षा करें एवं आवश्यक कारवाई करें और गृह ऋण के कार्य में प्रगति लायें। उन्होंने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति एवं नगरीय प्रशासन निदेशालय बैंकों के लिए अलग से लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया। सभी निकाय बैंकों से समन्वय कर आवास मेला का आयोजन करें एवं लाभुकों को गृह ऋण स्वीकृति प्रदान करायें। इसके अलावा दीनदयाल योजनाझराष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं पीएम स्वानिधि योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों एवं फुटपाथ विक्रेताओं को ऋण स्वीकृति में बैंकों के प्रदर्शन एवं सम्बंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। प्रधान सचिव द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत बैंकों द्वारा 5088 स्वीकृत ऋण को लाभुकों को वितरण करने का निर्देश दिया गया।

सड़क निर्माण कार्य में लेवी मांगने व जान से मारने के आरोप में एक गिरफ्तार

RANCHI : रांची के सिकिदिरी थाना पुलिस ने भारत माला सड़क निर्माण कार्य में लेवी की मांग करने और जान से मारने एवं दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने के मामले में एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम टिंकु साव उर्फ माही प्रसाद है। वह रामगढ़ के पतरातू थाना क्षेत्र के साकुल का रहने वाला है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गत छह मार्च को बिहार के पटना निवासी अमरेश कुमार ने थाने में दो अज्ञात अपरारधियों के खिलाफ भारत माला सड़क निर्माण कार्य में लेवी की मांग करते हुए जान से मारने एवं दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करने के आरोप में मामला दर्ज कराया गया था।

चोर गिरोह का खुलासा, छह अरेस्ट, आठ बाइक बरामद

मीडिया को जानकारी देते एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची की ओरमांझी थाना पुलिस ने चोरी के छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके पास से चोरी की आठ बाइक बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों में रामगढ़ जिले के बडकी कुन्दरु निवासी साजीद अंसारी, हारुण अंसारी, आलम अंसारी, आफताब अंसारी और रामगढ़ के सुगिया महुआ टोंगरी निवासी कलीम अंसारी, आजाद अंसारी शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर अलग-अलग कंपनी के आठ चोरी की बाइक और दो मास्टर चाभी बरामद किये गये हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रामगढ़ की ओर से कुछ अपराधी अपराध करने के नीयत से ओरमांझी की ओर आ रहे है। सूचना के बाद डीएसपी सिल्ली के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम के जरिये सशस्त्र बल के साथ उकरीद मोड़ पर वाहन चेकिंग शुरू की गयी। इसी क्रम में रामगढ़ की ओर से दो बाइक पर छह व्यक्ति सवार होकर आ रहे थे।

Ranchi • Saturday, 07 September 2024 • Year : 02 • Issue : 230 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

SHARE

सेंसेक्स	:	81,183.93
निफ्टी	:	24,852.15

SARAFA

सोना	:	6,890
चांदी	:	90.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कांग्रेस में शामिल हो गए विनेश फोगाट व बजरंग

RANCHI : शुक्रवार को दिग्गज रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया कांग्रेस में शामिल हो गए। सियासी गलियारे में यह चर्चा है कि विनेश का जुलाना सीट से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। बजरंग के भी चुनाव लड़ने की अटकलें हैं। इससे पहले दोनों कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मिले और फिर कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। बता दें कि राज्य में एक फेज में 5 अक्टूबर को वोटिंग है। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश और बजरंग ने रेलवे की नौकरी छोड़ दी। दोनों ओएसडी स्पोर्ट्स के पद पर थे। विनेश फोगाट ने कहा- बुरे टाइम पर पता लगता है कि साथ में कौन है।

पूर्व प्रिंसिपल के 6 ठिकानों पर ईडी ने मारी रेड

KOLKATA : शुक्रवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के 6 ठिकानों पर ईडी ने रेड मारी। अस्पताल में वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर यह कार्रवाई की। इससे पहले सीबीआई इसी मामले में भ्रष्टाचार के आरोप पर घोष को गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने सुबह घोष के बेलियाघाटा स्थित घर और उनके करीबियों के हावड़ा और सुभाषग्राम स्थित दो ठिकानों पर छापेमारी की।

देश में 2 महीने में रेप के 149 केस आए सामने

NEW DELHI : कोलकाता में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बाद से ही महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच मीडिया एजेंसी ने खुद की खबरों के हवाले से देशभर में रेप केसेस की एक रिपोर्ट जारी की। यह आंकड़ा 1 जुलाई से 31 अगस्त के बीच का है। 18 साल से छोटी बच्चियों के साथ सबसे अधिक रेप केस इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 2 महीने में देश में 149 रेप केस दर्ज हुए हैं।

'सशक्त सेना, समृद्ध भारत' प्रदर्शनी में जवानों का हैरतअंगेज करतब

राजधानी के मोरहाबादी मैदान में बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय कार्यक्रम

राज्यपाल ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन, रक्षा राज्य मंत्री थे मौजूद

भारतीय वायु सेना के हॉक जेट्स ने दर्शकों को कर दिया मंत्रमुग्ध

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी में पूर्वी कमान की ओर से आयोजित 'सशक्त सेना, समृद्ध भारत' प्रदर्शनी मोरहाबादी मैदान में बड़े उत्साह के साथ शुरू हो गया। इसमें भारतीय जवानों ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाए। 6 से 8 सितंबर 2024 तक चलने वाली तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। मौके पर माननीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान जवानों ने दिल को थाम लेने वाले स्टंट दिखा कर सभी का दिल जीत लिया। हेलीकॉप्टरों के फ्लाईपास्ट के बाद भारतीय वायु सेना के हॉक जेट्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सैन्य बैंड ने मार्शल धुनों के साथ समारोह को और भी आकर्षक बना दिया।

पेज 03 भी पढ़ें।

नई पीढ़ी के लिए अत्याधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में रांचीवासियों को अत्याधुनिक सैन्य हथियारों और उपकरणों की प्रदर्शनी देखने का मौका मिला, जिसमें भारतीय सैन्य बलों के शोर्य और पराक्रम को दशार्या गया है। प्रदर्शनी में नई पीढ़ी के उन्नत हथियार शामिल हैं, जैसे सिग सॉयर और एके 203 राइफल्स, नेगेव लाइट मशीन गन, इन्फेंट्री मोर्टार, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल और लोइटर म्यूनिशन सिस्टम, लॉन्ग रेंज आर्टिलरी गन, बोफोर्स और अल्ट्रा लाइट होवित्जर, एंटी एयरक्राफ्ट गन और एयर डिफेंस रडार भी प्रदर्शित किए गए हैं। निगरानी से लेकर रसद तक की क्षमताओं वाले सैन्य ड्रोनों की एक विस्तृत श्रृंखला ने स्वदेशी तकनीकी कौशल और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन किया। सैन्य बलों की गतिविधियों और उपकरणों का अनुभव देने के लिए विशेष स्टाल बनाए गए हैं।

कैबिनेट ने दी हरी झंडी, अन्य 62 प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

एसटी-एससी विद्यार्थियों के लिए बनाए जाएंगे 1048 बेड के दो हॉस्टल

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग में 63 प्रस्तावों हरी झंडी दी गई। रांची में एसटी के विद्यार्थियों के लिए 520 बेड के छात्रावास और एससी के लिए 528 बेड के छात्रावास निर्माण की मंजूरी दी गई। यह छात्रावास करम टोली स्थित जी-6 और गर्ल्स का जी-7 फ्लोर का वीमेंस कॉलेज में बनेगा। पोषण योजना 2024 के अंतर्गत छात्रावासों में गैर सरकारी संस्थान जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत वह चयनित हो सकती थी, उसे अब संशोधित करते हुए उसके अतिरिक्त कंपनी एक्ट के तहत जो गठित समिति है, वह एनआरएलएम के तहत स्वयं सहायता समूह भी भाग ले सकती हैं। जेपीएससी द्वारा आयोजित किए गए परीक्षा और साक्षात्कार के मूल्यांकन में आमंत्रण विशेषज्ञ यात्रा भत्ता मुद्रण भत्ता के लिए 29 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।

- लड़कों का जी-6 व गर्ल्स का जी-7 फ्लोर का वीमेंस कॉलेज में बनेगा छात्रावास
- मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत खर्च की राशि में होगी बड़ी वृद्धि
- आमंत्रण विशेषज्ञ यात्रा भत्ता मुद्रण भत्ता के लिए 29 लाख रुपये की स्वीकृति
- सहायक पुलिसकर्मियों को अब ₹13000 का मिलेगा मानदेय

पालना योजना को भी दी गई स्वीकृति

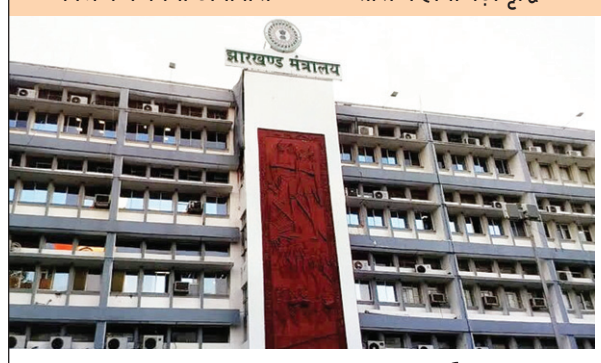

आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिए निर्गत आय और परिसंपत्ति की वैधता एक वर्ष तक करने की स्वीकृति दी गई है। पूर्व में यह कैलेंडर वर्ष के अनुसार रहता था। राज्य सजा पुनरीक्षण के द्वारा किसी बंदी की सजा को नामंजूर कर देने के बाद फिर से 1 वर्ष के बाद ही उपस्थित करने का प्रावधान था। उसमें अब संशोधित किया गया। अब अगर किसी बंदी की रिहाई के लिए एक या एक से अधिक बार नामंजूर कर दिया गया है, तो उसका विचार फिर से किया जा सके। केंद्र पर आयोजित पालना योजना को स्वीकृति दी गई है।

नियमित रूप से संचालित होंगे 22 फास्ट ट्रैक कोर्ट

झारखंड में 22 फास्ट ट्रैक कोर्ट को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा और केंद्र प्रायोजित फास्ट ट्रैक कोर्ट से एग्जिट होने का सरकार ने निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से निजी स्कूलों में भी पढ़ रही आर्थिक रूप से कमजोर आरक्षित वर्ग लड़कियों को भी जोड़ने का फैसला लिया। इस योजना का लाभ आठवीं की लड़कियों को मिलेगा। उन्हें 2500 की स्कॉलरशिप मिलेगी। 232 करोड़ की लागत से छतरपुर-हरियाणा जलापूर्ति योजना की मंजूरी दी गई। कल्याण विद्यालय अंतर्गत अमावस्या विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक शिक्षकों का अवधि विस्तार मार्च 2025 तक अथवा नियमित नियुक्ति होने तक कर दिया गया है। झारखंड राज्य के सरकारी स्कूल में सभी वर्ग के छात्र-छात्राओं की पोशाक की राशि दो सेट के लिए 600 से बढ़ा कर 1200 तक कर दी गई है। वन भूमि के सीमांकन में सर्वे के लिए गाइडलाइन बना। पीएचडी में प्रवेश के लिए जेट एग्जाम रूल में संशोधन किया गया। अब कंप्यूटर बेस्ड या ओएमआर मोड दोनों से परीक्षा हो सकेगी। राज्य के 38432 आंगनबाड़ी केंदों में शौचालय निर्माण के लिए 35409 रुपये और पेयजल के लिए 20741 रुपये दिए जाएंगे।

टीआरएल के लिए निकला आवेदन, इंटरव्यू में बुलाए गए संताली उम्मीदवार

महिला विवि

ANAND MISHRA @ JSR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नियमावली से अलग शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया का संचालन कर रहा है। इसमें जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं के उम्मीदवारों के साथ हकमारी की जा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि निजी संस्थानों में स्थानीय उम्मीदवारों को 75 फीसद आरक्षण दिलाने का दावा करने वाली पूरी सरकारी मशीनरी चुपचाप पूरी अनियमितता देखकर बर्दाश्त कर रही है।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की लिस्ट में टीआरएल और संताली अलग-अलग विषय

कुछ ऐसा है मामला

वीमेंस यूनिवर्सिटी में आवश्यकता आधारित शिक्षकों के रिक्त पदों पर बहाली के लिए गत 9 मार्च 2024 को आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया। इसमें टीआरएल के अंतर्गत एक पद पर रिक्ति दिखाई गई। वहीं साक्षात्कार के लिए 21 अगस्त 2024 को निकाली गई अधिसूचना में टीआरएल के आगे संताली लिख दिया गया। स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय की ओर से बहाली की प्रक्रिया में गुपचुप तरीके से बड़ा खेल कर दिया गया।

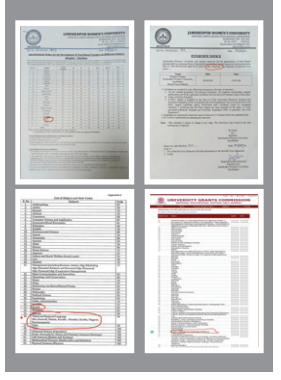

क्या कहती है विवि अनुदान आयोग व झारखंड सरकार की नियमावली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नियमावली के अनुसार टीआरएल और संथाली को अलग-अलग विषय के रूप में मान्यता दी गगई है। यूजीसी की लिस्ट में जहां संथाली विषय की क्रमांक संख्या 95 है। वहीं टीआरएल को क्रमांक संख्या 70 पर रखा गया है। झारखंड सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग की 21 फरवरी 2024 की अधिसूचना में भी संताली (क्रमांक 33) और टीआरएल (क्रमांक 36) अलग-अलग विषय हैं। जाहिर है कि टीआरएल के अंतर्गत संताली भाषा शामिल नहीं है। टीआरएल के तहत हो, कुड़माली, खड़िया, कुड़ुख, मुंडारी, खोरठा, नागपुरी और पंच परगनियां भाषाएं ही हैं। इस तरह विश्वविद्यालय ने टीआरएल के नाम पर संताली उम्मीदवार को साक्षात्कार के लिए बुलाकर दूसरी जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओं का हक मार लिया। वीमेंस यूनिवर्सिटी ने यह हकमारी तब की है जबकि जनसंख्या के हिसाब से जमशेदपुर के आसपास टीआरएल भाषा बोलने वाली छात्राओं की संख्या कहीं ज्यादा है। ऐसा लगता है कि विश्वविद्यालय अधिकारी या तो नियमावली को पढ़ नहीं रहे या पढ़कर भी उसका अनुपालन जरूरी नहीं मानते।

मणिपुर में एक दिन में दो बार हमला, पहले हमले में दो इमारतें क्षतिग्रस्त

उग्रवादी समूह का रॉकेट बम से अटैक, एक की मौत

अब एंटी-ड्रोन मशीन गन का किया जाएगा इस्तेमाल, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

- मई 2023 से जारी है हिंसा
- केंद्रीय बलों की 198 कंपनियां मौजूद
- 17 परिवार गांव छोड़कर भागे
- अलग कुकीलैंड की मांग का सवाल

AGENCY IMPHAL : शुक्रवार को मणिपुर के विष्णुपुर में उग्रवादी समूह ने रॉकेट बम से हमला किया। इसमें 1 बुजुर्ग व्यक्ति की मौत और 1 बच्चे सहित 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, बुजुर्ग व्यक्ति अपने घर पर धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी कर रहा था, तभी बम गिरा। यह एक दिन में दूसरा रॉकेट बम हमला है। इसे स्थानीय लोगों ने खुद बनाया था। इससे पहले सुबह में मोइरंग से 4 किलोमीटर दूर ट्रोंगलाओबी इलाके में रॉकेट बम गिर था। इसमें दो इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि मोइरंग में पहले कभी बंदूक और बम से हमला नहीं हुआ था। इस हमले के बाद से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। मणिपुर सरकार ने इन ड्रोन अटैक की जांच करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। दूसरी और केंद्र सरकार ने पहली बार मणिपुर में एंटी ड्रोन मीडियम मशीन गन के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। यह फैसला 1-3 सितंबर के बीच राज्य में दो ड्रोन हमलों के बाद लिया गया है। राज्य में मार्च 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा चल रही है।

हेमंत ने पत्नी कल्पना संग फोटो शेयर कर दी हरतालिका तीज की बधाई : शुक्रवार को हरतालिका तीज के अवसर पर राज्य के सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ फोटो शेयर की। हेमंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट शेयर कर पत्नी को हरतालिका तीज की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हरतालिका तीज पर प्रदेश की सभी बहनों/माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार दांपत्य प्रेम का प्रतीक है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि आपकी जीवनसंगिनी का त्याग और समर्पण एक सुखी परिवार की नींव है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण पर तत्काल कार्यवाही का किया आह्वान

जल व प्रकृति संरक्षण सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा

कहा- जल संरक्षण केवल नीतियों का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता भी

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जल और प्रकृति संरक्षण भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। उन्होंने जल संरक्षण पर तत्काल कार्यवाही का आह्वान किया। जल से संबंधित मुद्दों के संबंध में ह्यराष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कम करें, पुन: उपयोग करें, पुन: रिचार्ज करें और पुन: चक्रित करेंह्व के मंत्र को अपनाने पर जोर दिया। पीएम गुजरात के सूरत में जल संचय जन भागीदारी पहल के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण पर कहा कि जल को तभी बचाया जा सकता है, जब इसका दुरुपयोग बंद हो, खपत कम हो, जल का पुन: उपयोग हो, जल स्रोतों को पुन: रिचार्ज किया जाए और दूषित जल को पुन: चक्रित किया जाए।

- सूरत में जल संचय जन भागीदारी पहल के शुभारंभ कार्यक्रम को किया संबोधित
- जल को तभी बचाया जा सकता है, जब बंद हो इसका दुरुपयोग

आनेवाली पीढ़ियां करेंगी मूल्यांकन

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ नीति नहीं है, यह एक प्रयास भी है और एक गुण भी है। इसमें उदारता भी है और जिम्मेदारी भी। मोदी ने कहा, जल वह पहला मापदंड होगा, जिसके आधार पर हमारी आनेवाली पीढ़ियां हमारा मूल्यांकन करेंगी।

भारत में केवल 4% ताजा पानी

प्रकृति और जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में दुनिया के ताजा पानी का केवल 4 प्रतिशत मौजूद है। उन्होंने कहा, भले ही देश में कई शानदार नदियां हैं, लेकिन बड़े भौगोलिक क्षेत्र पानी से वंचित हैं और भूजल स्तर भी तेजी से घट रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ पानी की कमी ने लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा असर डाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण केवल नीतियों का मामला नहीं है, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता का भी मामला है। उन्होंने जागरूक नागरिक, जन भागीदारी और जन आंदोलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अतीत में भले हजारों करोड़ रुपये की जल-संबंधी परियोजनाएं शुरू की गई हों, लेकिन परिणाम पिछले 10 वर्षों में ही दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नागरिकों से एक पेड़ लगाने की अपील का जिक्र करते हुए कहा कि वनरोपण से भूजल स्तर तेजी से बढ़ता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले कुछ हफ्तों में एक पेड़ मां के नाम के तहत करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं। मोदी ने ऐसे अभियानों और संकल्पों में जन भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि 140 करोड़ नागरिकों की भागीदारी से जल संरक्षण के प्रयास एक जन आंदोलन में बदल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव के लिए बीजेपी का घोषणा पत्र जारी

5 लाख रोजगार, हर साल 2 फ्री सिलेंडर

अमित शाह बोले- कभी नहीं होगी 370 की वापसी जम्मू में बनाया जाएगा स्पेशल इकोनॉमिक जोन

AGENCY SRINAGAR : शुक्रवार को भाजपा ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी कर दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कॉलेज छात्रों को हर साल 3 हजार रुपये यातायात भत्ता दिया जाएगा। 10वीं क्लास में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को टेबलेट और लैपटॉप मिलेगा। उन्होंने कहा, 5 लाख रोजगार दिए जाएंगे। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 फ्री एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। अटल आवास योजना के जरिए भूमहीन लोगों को 5 मरला जमीन मुफ्त दी जाएगी। गृह मंत्री ने कहा- 370 हटने नहीं देंगे अमित शाह ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर भारत का है, था और रहेगा। 10 साल में राज्य का विकास हुआ है और रहा है। आज धारा 370 और 35 (ए) बीते दौरे की बात बन गई है। अब ये हमारे संविधान का हिस्सा नहीं है। ये सब पीएम नरेंद्र मोदी के ताकतवर फैसले से हुआ। धारा 370 इतिहास बन गई है। हम इसे कभी आने नहीं देंगे। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं, जिनमें से 47 घाटी में और 43 जम्मू संभाग में हैं। प्रदेश में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में चुनाव होने हैं। नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे।

हिंदू पीठ में तीन दिवसीय गणपति महोत्सव आज से

बिष्टुपुर स्थित खरकई पुल के पास हिंदू पीठ में शनिवार से तीनदिवसीय गणपति महोत्सव प्रारंभ होगा। पीठ के अध्यक्ष अरुण सिंह ने बताया कि यहां स्थित श्री सिद्धि विनायक मंदिर में गणपति महोत्सव 7 से 9 सितंबर तक संध्या 6.30 बजे गणपति की विशेष आरती होगी। इसके बाद 7 बजे से मंचीय कार्यक्रम एवं भजन और रात 8 बजे से महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड में कांग्रेस नेता समेत 5 गिरफ्तार

कांग्रेस के मानगो प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर सिंह पर साजिश रचने का आरोप

- दो अगस्त की रात गोली मारकर कर की गई थी शक्तिनाथ उर्फ डब्ल्यू सिंह की हत्या

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना अंतर्गत कृष्णा नगर में विगत 2 अगस्त को अपराधकर्मी अमरनाथ के भाई शक्तिनाथ सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कांग्रेस के मानगो प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर सिंह, गौड़ बस्ती निवासी मंटू सिंह सरदार उर्फ भूमिज, चरणजीत कुमार मोदक उर्फ काली, किशन नामता और महंती सिंह सरदार उर्फ छोटू शामिल हैं। शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि शक्तिनाथ की हत्या जमीन विवाद को लेकर की गई थी। उन्होंने बताया कि अमरनाथ ने क्षेत्र में वैध और अवैध जमीन पर कब्जा कर रखा था। देवघर में अमरनाथ की हत्या के बाद उन सभी जमीन पर शक्तिनाथ ने कब्जा जमा लिया। ईश्वर सिंह ने कब्जा की गई जमीन के एवज में प्रति कट्ठा 50 हजार रुपये की मांग की थी। शक्तिनाथ ने इस डील को स्वीकार नहीं किया था। इसी बीच ईश्वर ने मंटू समेत अन्य को 10 हजार रुपये प्रति कट्ठा देने को बात कही थी। अवैध कब्जे वाली सभी जमीन पर शक्तिनाथ का कब्जा था, इसीलिए साजिश के तहत शक्तिनाथ की हत्या कर दी गई।

अमरनाथ ने ईश्वर को दे रखी थी दुकान

एसएसपी ने बताया कि अमरनाथ और ईश्वर पूर्व में जमीन के धंधे में एक साथ काम करते थे। अमरनाथ ने ईश्वर को कांग्रेस कार्यालय खोलने के लिए एक दुकान दे रखी थी। अमरनाथ के मरने के बाद शक्तिनाथ और ईश्वर के बीच कार्यालय को लेकर विवाद हो गया था। घटना के दिन भी दोनों पक्ष के बीच झड़प हुई थी। उसके बाद मंटू अपने घर से हथियार लेकर आया और शक्तिनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी। एसएसपी ने बताया कि इस घटना में अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी, मामले की जानकारी देते एसपी मुकेश लुणायत

नेपाल भागने वाला था कुख्यात संतोष थापा मोबाइल से पकड़ाया

- लोगों का खौफ दूर करने के लिए पुलिस ने हथकड़ी लगाकर सड़क पर घुमाया
- दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से दो अगस्त को पुलिस ने किया था गिरफ्तार

SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के कुख्यात अपराधी संतोष थापा को पुलिस ने शुक्रवार को जेल भेज दिया। यह जानकारी एसपी मुकेश लुणायत ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि संतोष थापा दिल्ली से गाजियाबाद और फिर नेपाल के काठमांडू भागने वाला था। वह गिरोह के सदस्य सुभाष प्रमाणिक का इलाज कराने के लिए रुपये जमा कर रहा था। उसे सुभाष के इलाज के लिए तीन लाख रुपये की जरूरत थी। बीते दिनों पुलिस ने आदित्यपुर जयप्रकाश उद्यान के पास से गुड्डू पांडेय को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। गुड्डू ने भी सुभाष के इलाज के लिए संतोष को 30 हजार रुपये की मदद की थी। वर्ष 2020 में हुई एक हत्या मामले में पुलिस को उसकी तलाश थी। संतोष के खिलाफ कोर्ट से वारंट भी निर्गत था। इससे पूर्व पुलिस ने लोगों का खौफ दूर करने के लिए संतोष को हथकड़ी लगाकर आदित्यपुर की सड़कों पर पैदल घुमाया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि गाड़ी खराब होने की वजह से उसे सड़क पर पैदल घुमाया गया। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि पुलिस ने उसे दो अगस्त को उस वक्त गिरफ्तार किया, जब वह पश्चिम बंगाल के बागडोगरा एयरपोर्ट से दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा था। संतोष थापा से पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

फिल्मी अंदाज में पुलिस ने किया गिरफ्तार

एसपी ने बताया कि पुलिस ने जब गुड्डू पांडेय को गिरफ्तार किया, तो उससे पूछताछ में संतोष के बारे में जानकारी मिली। पुलिस को एक नंबर मिला, जो संतोष का था या नहीं, इसे लेकर संशय था। इसके बाद पुलिस ने नंबर को ट्रेस किया। उस नंबर का लोकेशन बागडोगरा एयरपोर्ट में दिखा। नंबर कई बार बंद और चालू हो रहा था। पुलिस यहां भी अंधेरे में तीर मार रही थी। हालांकि संतोष के लिए पुलिस को एक ही लीड मिली थी, जिसे पुलिस गंवाना नहीं चाहती थी। बागडोगरा एयरपोर्ट से जितनी भी फ्लाइट उड़ान भरने वाली थी, उस पर पुलिस ने नजर रखी। एसपी मुकेश लुणायत ने बताया कि पुलिस ने कोलकाता एयरपोर्ट और दिल्ली एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ से मदद मांगी। दोपहर 3.30 बजे के बाद नंबर बंद हुआ, जो शाम को चालू हुआ। तब उसका लोकेशन दिल्ली एयरपोर्ट आया। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

समाचार सार

'दबिस्तान-ए-जमशेदपुर' में गुरु की हुई तारीफ

JAMSHEDPUR : शहर की साहित्यिक संस्था 'दबिस्तान-ए-जमशेदपुर' की ओर से शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शेरी नशिस्त (काव्य गोष्ठी) का आयोजन किया गया। इसमें शायरों ने गुरु की तारीफ में कसीदे पढ़े। इसकी अध्यक्षता शायर गौहर अजीज ने की। कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में ज्ञान और गुरु विषय पर चर्चा हुई। दूसरे सत्र में शायरों ने रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिनमें सद्दाम गनी, सकलैन मुश्ताक, फरहान खान फरहान, शोएब अख्तर, सफदर हारून, सैफ अली सैफ, वालीउल्लाह वली, सफीउल्लाह सफी तथा सरफराज शाद आदि शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन फरहान खान फरहान और धन्यवाद ज्ञापन शोएब अख्तर ने किया।

एमबीएनएस के छात्रों ने शिक्षकों का किया सम्मान

JAMSHEDPUR : एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं ने धूमधाम से शिक्षक दिवस मनाया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने गीत-संगीत, नृत्य, नाटक और भाषण के माध्यम से शिक्षकों का गुणगान किया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में इंस्टीट्यूशन्स के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, निदेशक अनुपा सिंह, प्राचार्या पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भवतारण भकत, डॉली सिंह, मिली कुमारी व मधुसूदन महतो भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष 9 को आएंगे शहर

JAMSHEDPUR : कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 9 सितंबर को जमशेदपुर आएंगे। वे यहां बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में जिला से बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। बिष्टुपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) में शुक्रवार को प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष दोपहर 3 बजे बिष्टुपुर स्थित खरकई पुल पहुंचेंगे। यहां से उन्हें जुलूस की शक्ल में माइकल जॉन आडिटोरियम तक लाया जाएगा। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष (नगर) धर्मेंद्र सोनकर, कार्यालय प्रभारी संजय सिंह आजाद व उदय कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

पोखारी में दुर्गा पूजा के लिए हुआ भूमिपूजन

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला के पोखारी गांव में शुक्रवार को दुर्गा पूजा के लिए भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के दौरान ओडिशा और बंगाल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। भूमिपूजन के साथ ही पोखारी में उत्सव का माहौल शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों ने देवी दुर्गा की पूजा की तैयारी शुरू कर दी है। उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

बच्चों के साथ ट्रेन से कटने जा रही थी महिला, लोगों ने बचाया

GHATSILA : मऊभंडार ओपी क्षेत्र अंतर्गत टुमांगडुरी निवासी एक महिला अपने पति से झगड़ा कर दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ शुक्रवार की शाम गोपालपुर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने जा रही थी, जिसे स्थानीय लोगों ने बचा लिया। दोनों मासूम बच्चे किनारे में रखा रेल पटरी पर बैठकर मां को देख रहे थे। इसी दौरान ओबरा ब्रिज से लेकर लालडीह रेलवे फाटक तक काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद महिला का पति राजू कुमार भी आ गया। मौके पर घाटशिला थाना की पुलिस भी पहुंची और दोनों पति-पत्नी को घर भेजा। पति-पत्नी का 2022 से ही किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों एक दूसरे पर अवैध संबंध रखने का आरोप लगा रहे थे।

सीएम हेमंत 10 को आएंगे चांडिल

डोबो में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में होंगे शामिल

- कोल्हान आयुक्त व डीआईजी सहित तीनों जिलों के डीसी-एसएसपी ने लिया कार्यक्रम स्थल का जायजा

कार्यक्रम स्थल पर अधिकारियों को निर्देश देते डीसी रविशंकर शुक्ला

SARAIKELA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 10 सितंबर को सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल आएंगे। वे चांडिल प्रखंड स्थित काजू मैदान, डोबो में आयोजित 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम अंतर्गत चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्ति तथा स्वीकृति पत्र वितरण समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त, कोल्हान हरिकुमार केसरी व डीआईजी कोल्हान मनोज रतन चौथे ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस मौके पर सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला, पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उपविकास आयुक्त (पूर्वी सिंहभूम) मनीष कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी सिंहभूम) आशुतोष शेखर, पुलिस अधीक्षक (सरायकेला-खरसावां) मुकेश कुमार लुणायत समेत अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, अस्थायी हेलीपैड, वाहन पार्किंग तथा यातायात परिचालन, कार्यक्रम स्थल तक आवागमन की अलग-अलग व्यवस्था आदि के संबंध में बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रमंडलीय आयुक्त (कोल्हान) ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने स्तर से तैयारी पूर्ण कर लें। उपायुक्त ने तैयारी को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

चलती ट्रेन में दिव्यांग महिला से किया अप्राकृतिक यौनाचार

- आरपीएफ और टीटीई रहे गायब, यात्रियों की मदद से पकड़ाया आरोपी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में चलती ट्रेन में पैंट्रीकार के एक कर्मी द्वारा दिव्यांग महिला से अप्राकृतिक यौनाचार करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद आरोपी रामजीत सिंह को यात्रियों ने पकड़ लिया। जैसे ही ट्रेन चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पहुंची, यात्रियों ने आरोपी और पीड़ित महिला को जीआरपी के सुपुर्द कर दिया। जीआरपी महिला के बयान पर मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि यह घटना उत्कल एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-3 के शौचालय में घटी है। पीड़िता ने बताया कि वह अपने 13 साल के बेटे के साथ भुवनेश्वर से झांसी जाने के लिए ट्रेन में सवार हुई थी। इस दौरान उसके साथ पैंट्रीकार का कर्मचारी रामजीत सिंह गलत व्यवहार कर रहा था। वह शौच के लिए कोच के शौचालय में गई, तो वह पीछे-पीछे आ गया। उसने अकेला पाकर शौचालय का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद वह महिला के साथ जोर-जबरदस्ती करने लगा। महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने महिला को पीटते हुए जबरन अप्राकृतिक यौनाचार किया। पीड़ित महिला ने बताया कि आरोपी नशे में धुत्त था।

टेल्को फायरिंग में हथियार सहित दो आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : टेल्को महानंद बस्ती में बीते सोमवार की रात को फायरिंग की घटना में सोनू कुमार घायल हो गया था। गोली सोनू के पैर को छूते हुए निकल गई थी। इस मामले में पुलिस ने सोनू समेत उसके साथी अमित चौधरी उर्फ बापी को गिरफ्तार किया है। दरअसल, दोनों ऑटो चालक कार्तिक गोप से पुराने विवाद का बदला लेने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान कार्तिक के साथ छीनाझपटी में गोली चली, जिसमें सोनू घायल हो गया था। घटना के बाद सोनू को इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि घटना से एक दिन पहले अमित ने बस्ती के ही रहने वाले ऑटो चालक कार्तिक को ऑटो लेकर कहीं चलने को कहा था, पर कार्तिक ने मना कर दिया। इसी को लेकर सोमवार की रात अमित और सोनू रास्ते में कार्तिक को पीटने लगे। मारपीट के दौरान अमित ने हथियार निकाल लिया। अमित और कार्तिक के बीच छीनाझपटी हुई। इसी बीच गोली चली, जो सोनू के पैर में लगी।

मानगो फ्लाईओवर का निर्माण शुरू मंत्री बन्ना गुप्ता ने की पूजा-अर्चना

PHOTON NEWS JSR: स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री तथा जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा के विधायक बन्ना गुप्ता ने शुक्रवार को मानगो में बनने वाले शहर के पहले फ्लाईओवर के पिलर संख्या 30 पर पूजा-अर्चना कर नींव कार्य का आरंभ किया। इस दौरान बन्ना गुप्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि मानगो फ्लाईओवर का उद्देश्य जमशेदपुर, खासकर मानगो पुल पर लगने वाले जाम को नियंत्रित करना है। फ्लाईओवर 2.8 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर रहेगा वहीं इस फ्लाईओवर में चार-लेन और दो-लेन रहेंगे। मेन रोड के लिए रैंप कनेक्शन, स्वर्णरेखा नदी पर एक ओवरब्रिज और आधुनिक निर्माण तकनीक से इस फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए कुल अनुमानित लागत 252 करोड़ रुपये है, जबकि पूरी परियोजना के लिए 461 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इसका निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा होगा। मंत्री ने आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने इस परियोजना को रोकने की कोशिश की, लेकिन जनता की जीत हुई। उन्होंने कहा कि मानगो फ्लाईओवर से मरीनड्राइव, डिमना, आजाद बस्ती, साकची, भुइयांडीह और बिष्टुपुर के निवासियों को लाभ होगा, यात्रा का समय, ईंधन की खपत और वायु प्रदूषण कम होगा। मंत्री ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जिसमें साकची स्थित एमजीएम अस्पताल का पुनर्निर्माण, विश्वस्तरीय बस स्टैंड, 100 बेड के सीसीयू अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य परियोजनाएं शामिल हैं।

मानगो में ब्लू बेल्स स्कूल के पास पूजा करते मंत्री बन्ना गुप्ता ● फोटोन न्यूज

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- झामुमो बन गई है मियां-बीवी की पार्टी, बैनर से दिशोम गुरु शिबू सोरेन हो गए गायब

झारखंड में अभी जदयू से नहीं है गठबंधन : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS JSR : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शुक्रवार को शहर आए थे। बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में कोल्हान प्रमंडलीय बैठक में भाग लेने आए बाबूलाल ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि अभी राज्य में भाजपा के साथ आजसू सहयोगी दल है। राज्य में जदयू के साथ गठबंधन नहीं है। केंद्र में जदयू सहयोगी दल है। झारखंड में जदयू के गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व को निर्णय लेना है। ज्ञात हो कि जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय जदयू में शामिल हो गए हैं, इसलिए इस बात पर चर्चा हो रही है कि क्या झारखंड में भाजपा-जदयू साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। झामुमो पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि झामुमो अब मियां-बीवी की पार्टी बनकर रह गई है। बैनर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर नहीं लगाई जा रही है। बैनर में इन दिनों हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ही रहती हैं। एक बड़े आदिवासी नेता को बार-बार अपमानित करने और पार्टी को मियां-बीवी की पार्टी बना देने वाले हेमंत सोरेन अब संन्यास लेने के करीब पहुंच गए हैं। क्योंकि जमशेदपुर की इसी धरती से गत विधानसभा चुनाव से पूर्व शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर उन्होंने साल में 5 लाख नौकरी अथवा राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा सार्वजनिक मंच से की थी।

बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी

गोपाल मैदान में पीएम की सभा की तैयारी

बाबूलाल ने पार्टी की आगामी कार्ययोजना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जमशेदपुर में प्रस्तावित जनसभा की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सरकारी कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वे, भाजपा की ओर से आयोजित विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा की सफलता के लिए पार्टी विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारी कर रही है। कहा कि क्षेत्रफल के नजरिए से बिष्टुपुर के गोपाल मैदान में ही सभा की तैयारी की जा रही है।

सम्मेलन में इनकी रही उपस्थिति : इस दौरान बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी, सांसद बिद्युत बरण महतो, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, जमशेदपुर लोकसभा की क्लस्टर प्रमुख भावना बोहरा, प्रदेश महामंत्री सह सांसद प्रदीप वर्मा, प्रदेश महामंत्री सह सांसद आदित्य साहू, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बरकुंवर गागराई, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, प्रदेश मंत्री मनोज महतो, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, सरायकेला-खरसावां अध्यक्ष उदय सिंहदेव, पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष चंडीचरण साव, पश्चिम सिंहभूम जिलाध्यक्ष संजू पांडेय समेत कोल्हान के सभी प्रमुख कार्यकर्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी एवं अन्य मौजूद रहे।

जुस्को कर्मियों ने किया 175 यूनिट रक्तदान

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व नाम जुस्को) ने शुक्रवार को धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस आयोजन में कर्मचारियों ने मिलकर कुल 175 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा और जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय भी उपस्थित थे। दान किया गया 175 यूनिट रक्त जमशेदपुर और आसपास के अस्पतालों में मरीजों की जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगा।

पोटका और जुगसलाई के विधायक ने बांटी परिसंपत्ति

योजना के शिविर में लाभुकों को संबोधित करते विधायक मंगल कालिंदी

JAMSHEDPUR : 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिले के 9 प्रखंडों के 14 पंचायत एवं 4 नगर निकायों में शिविर लगा। यहां पोटका के विधायक संजीव सरदार व जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने लाभुकों में परिसंपत्ति का वितरण किया। शिविर में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, बिरसा सिंचाई कूप सर्वधन योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने अलग अलग स्टॉल में लाभुक बड़ी संख्या में योजनाओं की जानकारी लेने एवं आवेदन जमा करने पहुंचे। कार्यक्रम में कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ऑन द स्पॉट भी दिया गया। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिलेवासियों से पंचायत स्तरीय शिविर में भाग लेकर लाभ लेने की अपील की है।

घरेलू विवाद में दो बच्चों का अपहरण पुलिस ने दो घंटे में करा लिया मुक्त

छह आरोपी किए गए गिरफ्तार, बच्चे के परिवार में दहशत फैलाने के लिए किया अगवा

AGENCY PALAMU : पारिवारिक विवाद में भय का माहौल बनाने के लिए दो स्कूली बच्चों का अपहरण कर लिया गया। एक बच्चे को इसलिए अगवा किया गया, ताकि उससे दूसरे एवं मुख्य बच्चे का लोकेशन जानकर उसका अपहरण किया जा सके। सूचना के तुरंत बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बच्चे को जहां बरामद किया, वहीं 6 में से चार अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि घटना में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों में सदर थाना क्षेत्र के बड़कागांव के प्रशांत तिवारी पिता कौशल तिवारी, शहर थाना क्षेत्र के बारालोटा जनकपुरी के नीरज कुमार चन्द्रवंशी पिता राजकिशोर चन्द्रवंशी, जीएलए कॉलेज बारालोटा के कुंदन कुमार पांडे पिता नवल किशोर पांडे एवं पांकी रोड श्रीराम पथ चरकी भट्ठा के वैभव भाष्कर पिता विनय शुक्ला शामिल है। एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पांच सितंबर को दोपहर 3.30 बजे सूचना मिली कि बारालोटा संतजेवियर स्कूल के 10वीं कक्षा के एक बच्चे का अपरहण कर लिया गया है। शिक्षक के सामने बच्चे को उठाने पर अपहरणकताओं ने उन्हें भी चुप रहने की धमकी दी। बाइक पर बैठाया और वहां से निकल गए। छात्र के मोबाइल फोन से दूसरे एवं मुख्य छात्र का लोकेशन पूछवाया। दूसरे छात्र का लोकेशन जानने के बाद पहले वाले छात्र को जीएलए कॉलेज के पास छोड़ दिया और दूसरे को कचहरी चौक से अपहरण कर लिया। एसपी ने बताया कि अपहरणकताओं की मंशा बच्चे को नुकसान पहुंचाना नहीं था। दरअसल आरोपियों में प्रशांत तिवारी के परिवार के साथ दूसरे बच्चे के परिवार से विवाद चल रहा था। बच्चे का अपहरण कर उस परिवार को दहशत में लाने की कोशिश की गयी थी। बच्चे को अपहरणकर्ता कुछ देर तक छुपाकर रखना चाहते थे। जैसे ही इसकी सूचना मिली त्वरित कार्रवाई करते हुए दूसरे बच्चे को बरामद किया गया और इस घटना में शामिल चार अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना में शामिल अरोपियों का कोई भी आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। सभी 24-25 वर्ष के हैं। फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

आरोपियों व घटना की जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

डीसी के जनता दरबार में फरियादियों ने लगाई गुहार

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने शुक्रवार को जनता दरबार लगाया, जिसमें फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं का समाधान करने की गुहार लगाई। इसमें शहरी सहित विभिन्न प्रखंडों से 25 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए, जिनमें मकान मुआवजा, रोजगार, गंभीर बीमारी में मदद, ऑनलाइन रसीद, लंबित म्यूटेशन, प्रमाण पत्र, आवास, सेवानिवृति पावना, राशनकार्ड, बकाया मानदेय, अवैध कब्जा, अवैध कब्जा, धोखाधड़ी इत्यादि मामले शामिल रहे। उपायुक्त ने दूरदराज से आए ग्रामीणों से आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कई ऐसे मामले हैं, जिनका निपटारा स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है।

लातेहार : गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत नगड़ा गांव के पास गहरे गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार नगड़ा गांव निवासी रिशु कुमार (6), सूरज कुमार(6) और गोलू कुमार (7) आदि बच्चे गांव के पास ही रेलवे लाईन के निकट खेल रहे थे। इसी दौरान बच्चे पास में ही स्थित एक गहरे गड्ढे में गिर गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचकर बच्चों को ढूंढने का प्रयास किया, परंतु गड्ढा में पानी काफी अधिक था जिस कारण बच्चों का कुछ अता-पता नहीं चल पा रहा था। बाद में डीजल पंप के माध्यम से गड्ढे के पानी को बाहर निकाला जाने लगा, इसके बाद तीनों बच्चों को बाहर निकाला जा सका। परंतु तब तक तीनों बच्चों की मौत हो गई थी। इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रेलवे लाइन निर्माण के दौरान ही यह गड्ढा किया गया था और इसे यूं ही छोड़ दिया गया था। इसी कारण आज इतनी बड़ी घटना हो गई।

BRIEF NEWS

ऑटो ड्राइवरों के बीच चला जांच अभियान 65 हजार वसूले गए

DHANBAD : डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी तथा मोटरयान निरीक्षक अभय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से पूजा टॉकिज के पास ऑटो तथा टोटो ड्राइवर्स के बीच सड़क सुरक्षा के तहत शुक्रवार को जांच अभियान तथा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर ऑटो तथा टोटो ड्राइवर्स को ड्रेस कोड का पालन करने को कहा गया। टोटो चालकों को नीला एवं ऑटो चालकों को खाकी ड्रेस पहनने को कहा गया। साथ ही साथ बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के चालको का चालान भी किया गया। यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले चालकों का 65000 रुपए का चालान किया गया।

डीटीओ, एमवीआई ने की धनबाद पब्लिक स्कूल में वाहनों की जांच

DHANBAD : उपायुक्त सह अध्यक्ष सड़क सुरक्षा समिति धनबाद माधवी मिश्रा द्वारा धनबाद के सभी स्कूलों में चल रहे वाहनों के पेपर तथा वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस जांच करने के संबंध में दिए गए निर्देश के आलोक में शुक्रवार को डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी तथा मोटरयान निरीक्षक अभय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से धनबाद पब्लिक स्कूल में सभी वाहनों की जांच की गई। जॉच के दौरान कुछ वाहनों में त्रुटी पाई गई। उनसे लगभग 8250 की जुमार्ना राशि वसूली गई तथा डीटीओ द्वारा स्कूल प्रबंधन को वाहन चालकों एवं उपचालकों के ड्रेस कोड का पालन और वाहनों में सुरक्षा संबंधी सभी मानकों को पूरा करने के लिए निर्देश दिया गया। साथ ही कहा कि आगे भी लगातार स्कूलों में वाहनों के विरुद्ध जांच अभियान चलता रहेगा। सुरक्षा मानकों पर खरा न उतरने पर तथा बच्चों की सेफ्टी को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जायेगी।

सरकारी पदाधिकारियों और कर्मचारियों की परीक्षा संपन्न

● शांतिपूर्ण माहौल में कदाचार मुक्त हुई परीक्षा : प्रमंडलीय आयुक्त

HAZARIBAG : केंद्रीय परीक्षा समिति, राजस्व पर्षद झारखंड, रांची के तत्वाधान में 2 सितंबर से शुरू राजपत्रित और अराजपत्रित पदाधिकारियों-कर्मचारियों की द्वितीय अर्धवार्षिक परीक्षा-2023 एवं प्रथम अर्धवार्षिक परीक्षा-2024 शुक्रवार को संपन्न हो गई। इस बीच उत्तरी छोटानागपुर की प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने समय-समय पर जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। आयुक्त ने प्रथम एवं द्वितीय पाली में आयोजित हो रही परीक्षा का शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त तरीके से संपन्न होने पर पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

परीक्षा केंद्र पहुंचीं आयुक्त

द्वितीय अर्धवार्षिक विभागीय एवं जनजातीय परीक्षा-2023 एवं प्रथम अर्धवार्षिक विभाग एवं जनजातीय भाषा-2024 के सफल संचालन के लिए बोर्ड का गठन किया गया है।
बोर्ड सदस्य के रूप में सहायक केंद्र अधीक्षक-सह-आयुक्त के सचिव बासुदेव प्रसाद, अवर सचिव राकेश चौधरी, रासबिहारी प्रसाद, उपजनसंपर्क निदेशक आनंद शामिल थे।

गिरिडीह पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को हैदराबाद से पकड़ा

GIRIDIH : जिले की हीरोडीह थाना पुलिस शुक्रवार को पत्नी की हत्या के आरोपित पति अनिल यादव को हेदराबाद से गिरफ्तार कर शुकवार को गिरिडीह ले लाई। एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने बताया कि अनिल यादव पत्नी को हैदराबाद ले जाने के बहाने पिछले 28 अगस्त को घर हीरोडीह थाना इलाके के टंगपंजपा से ससुराल बेरिया दीवान टोला के लिए निकला। इस दौरान पत्नी रिंकू देवी को ससुराल बेरिया दीवान टोला से कुछ दूर मुरली पहाड़ी के पास बेरहमी से हत्या कर शव को आपत्तिजनक हालत में वहीं फेंक कर हैदराबाद फरार हो गया। मामले की हीरोडीह थाना पुलिस ने सक्रियता से जांच शुरू की तो रिंकू देवी की हत्या में पति अनिल यादव का हाथ सामने आया। इसके बाद हीरोडीह पुलिस उसे हैदराबाद से गिरफ्तार कर गिरिडीह लाई।

भारी मात्रा में नकली शराब बरामद, तस्कर किया गया गिरफ्तार

KODERMA : जयनगर थाना अंतर्गत अवैध शराब का निर्माण एवं तस्करी किए जाने की सूचना पर पुलिस ने भारी मात्रा में नकली शराब बरामद किया। मौके से एक शराब तस्कर को किया गिरफ्तार किया गया है। एसपी अनुदीप सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि सूचना के आलोक में जयनगर थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में बीती रात थाना क्षेत्र के प्रतापपुर स्थित गोविन्द रजक 28 वर्ष, पिता शिवकुमार के घर छापामारी की गई। इस दौरान मैकडोवेल्स लग्जरी स्टीकर लगा हुआ 18 पीस, मैकडोवेल्स लग्जरी नंबर 1 स्टीकर लगा हुआ 23 पीस, इंपीरियल ब्लू 24 पीस, इंपीरियल ब्लू व्हिस्की 21 पीस जब्त किया गया। वहीं 6 प्लास्टिक के बड़े बोरे में शराब की खाली बोतल को भी जब्त किया गया।

ससुराल आए युवक को हाथियों ने कुचला, मौत

उत्तर प्रदेश के शामली जिला के इस्सीपुर थाना के बसेड़ा गांव का रहने वाला था मृतक

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा जिला में हाथियों ने एक युवक को कुचलकर मार डाला है। यह घटना लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के जोभीटांड की है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग और कुडू थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को सौंप दिया है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हाथियों ने अब तक 3 की ली जान : मृतक शनिवार को ही ससुराल से वापस अपने घर जाने वाला था। इसी बीच गुरुवार की रात यह घटना हो गई। बताया जा रहा है कि कुडू, कैरो और भंडरा थाना क्षेत्र में पिछले छह महीने से भी ज्यादा समय से 22 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। हाथियों ने अब तक तीन लोगों की जान ले ली है। हाथियों ने दर्जनों मकानों को ध्वस्त कर दिया है। कई एक-ड़ में लगी फसल को भी बर्बाद किया है।

हाथियों को देखते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

अचानक खेत से निकले हाथी, मची अफरातफरी

हाथियों के अचानक खेत से निकलकर सामने आ जाने के बाद ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। भागने के क्रम में मृतक हाथियों के झुंड के बीच फंस गया। हाथियों ने शौकीन को पड़कर कुचलकर मार डाला। हाथियों का गुस्सा देखकर किसी ग्रामीण की हिम्मत नहीं हो रही थी कि वह शौकीन को बचाने को लेकर कोई उपाय भी सोच सके। इस घटना के बाद हाथियों का झुंड कुंदो जंगल की ओर चला गया। घटना की सूचना कुडू थाना पुलिस और वन विभाग की टीम को दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को सौंप दिया है।

शनिवार को लौटने वाला था मृतक

उत्तर प्रदेश के शामली जिला के इस्सीपुर थाना के बसेड़ा गांव निवासी आलमदीन का 43 वर्षीय पुत्र शौकीन कुडू थाना क्षेत्र के ब्लॉक मैदान निवासी मोहम्मद गंभीर के यहां अपने ससुराल तीन दिन पहले ही आया था। शनिवार को पत्नी शबनम खातून, तीन पुत्र दानिश, साहिल साद और पुत्री रुखसार को लेकर वापस अपने गांव जाने वाला था। इसी बीच हाथियों का झुंड गुरुवार की रात कुंदो जंगल से निकलकर जोभीटांड आ गया था। गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ शौकीन भी हाथियों को देखने के लिए गया हुआ था। इसी बीच बंडा टोली, टीको, कुंदो और अन्य गांव के ग्रामीण हाथियों को खदेड़ रहे थे।

घर के बाहर सोए बुजुर्ग की लाठी से पीट-पीट कर हत्या

घर के बाहर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

PALAMU : जिले के मनातू थाना क्षेत्र के जसपुर गांव में गुरुवार रात अज्ञात अपराधियों ने लाठी- डंडे से पीट पीट कर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी। घटना के वक्त बुजुर्ग अपने घर के बाहर सोए हुए थे। घटनास्थल से दो लाठी बरामद हुई है। सूचना मिलने के बाद शुक्रवार सुबह मनातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच मेदिनीनीनगर भेज दिया है। हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक की पहचान राजा यादव (63) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राजा यादव अपने घर के बाहर सोए हुए थे। इसी क्रम में गुरुवार रात करीब 10 बजे लाठी-डंडे से पीट पीट कर उनकी हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी रात 1 हुई। सूचना मिलने पर प्रारंभिक जांच के लिए मनातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। कुछ जानकारी लेकर रात में लौट गई और पुनः सुबह आई। घटनास्थल मनातू थाना से महज 1 किलोमीटर की दूरी पर है और जसपुर घना आबादी वाला गांव है।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर युवक और महिला की मौत

KODERMA : जिले के नवलशाही थाना के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक व एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतकों की पहचान ताराटांड़ निवासी मन्नुवर अंसारी (19) तथा रजिया खातून (35) के रूप में की गई। प्रत्यक्षर्शियों ने बताया कि अपने घरेलू विवाद को लेकर युवक व महिला नवलशाही थाना आवेदन देने गए थे। आवेदन देकर लौटने के क्रम में थाना गेट के समीप तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर दोनों को अपने चपेट में ले लिया जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। घटना होने के बाद आक्रोशित परिजनों ने रोड को जाम कर दिया। वही परिजनों ने मुआवजे की मांग कर रहे थे। मौके पर नवलशाही थाना प्रभारी नितीश कुमार, एसआई रविप्रकाश पंडित व डोमचांच सीओ रविन्द्र कुमार पांडेय, मरकच्चो थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने मृतक के परिजनों को समझा बुझा कर जाम को हटाते हुए शवों को सदर अस्पताल कोडरमा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छतरपुर में स्वर्ण व्यवसायी से 15 लाख की लूट, तीन माह में तीन घटनाएं

एक भी मामले का नहीं हुआ उद्भेदन, व्यापारी चिंतित

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के छतरपुर में एक बार फिर स्वर्ण व्यवसायी से 15 लाख की लूट हो गई है। चीरू गांव के समीप स्वर्ण व्यवसायी से हथियार के बल पर 15 लाख के आभूषणों की लूट हो गई है। तीन माह में तीसरी घटना होने से स्वर्ण कारोबारी में आक्रोश के साथ-साथ हड़कंप मच गया है इस संबंध में शुक्रवार को छतरपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया पुलिस एक बार फिर अनुसंधान में जुड़ गई है। यहां यह भी बता दें कि अब तक हुई तीनों घटनाओं में से किसी का उदभेदन नहीं हो पाया है। जिससे प्रतीत होता है कि पुलिस का सुरक्षा और खुफिया तंत्र इस मामले में फेल है। स्वर्ण व्यवसायी अशोक ज्वेलर्स एंड बर्तन दुकान के संचालक अशोक सोनी से अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। अशोक सोनी ने बताया कि उनका सरइडीह में भी सोने चांदी की दुकान है और वे प्रतिदिन की भांति बाइक से आभूषण लेकर छतरपुर से सरईडीह स्थित अपनी दूसरी दुकान जा रहे थे कि चीरू और चहलथान के बीच सुनसान जगह पर एक काली रंग की राइडर बाइक से दो अपराधी पीछा करते हुए आये और उनकी बाइक को रुकवा कर पिस्टल के बल पर डिक्की में रखा झोला, जिसमें सौ ग्राम सोना का आभूषण के साथ उधार बाकी की तीन बही थी। उसके अलावे एक और थैला था, जीसमें आठ किलो चांदी के आभूषण थे उसे भी लूटने के बाद लुटेरों ने उनके जेब से मोबाइल लूट कर भाग निकले। उन्होंने बताया कि काफी शोर गुल किया जिसके बाद कुछ गांव के लोगों ने लुटेरों का पीछा किया पर लुटेरे तब तक भाग निकले।

घटना की जानकारी देता व्यवसायी

'मेक रूम फॉर अर्ली लर्निंग' से बढ़ेगी बच्चों की क्षमता

सेमिनार को संबोधित करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : जिला समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को 'रीडिंग कैम्पेन : मेक रूम फॉर अर्ली लर्निंग' के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में प्रारंभिक शिक्षा और पठन कौशल के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। शिक्षा परियोजना परिषद, झारखंड द्वारा रूम टू रीड, आईपीईएल और यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने पठन कौशल के विकास और बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की। जिला स्तरीय सेमिनार में उपायुक्त नैन्सी सहाय ने सेमिनार के दौरान बच्चों में पठन कौशल और पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की और प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पठन कौशल बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही, उन्होंने क्षेत्र स्तर पर मौजूद अंतरालों की पहचान करने और सभी हितधारकों के सहयोग से उन समस्याओं को संबोधित करने के लिए प्रभावी रणनीतियाँ विकसित करने पर बल दिया। इस दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिक्षा अधीक्षक और योजना पदाधिकारी ने भी प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और पठन कौशल को सुदृढ़ करने के लिए सरकारी प्रयासों की प्रशंसा की।

झारखंड को मिलेगा चार वंदे भारत का तोहफा

CHAKRADHARPUR: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर से चार वंदे भारत ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। खास बात यह है कि चारों वंदे भारत झारखंड को ही समर्पित है। वे टाटानगर स्टेशन पर टाटा-पटना और टाटा-बरहमपुर के अलावा देवघर-वाराणसी और दुमका-रांची वंदे भारत को भी झंडी दिखाएंगे।
इस बीच टाटा-पटना और टाटा-बरहमपुर वंदे भारत की समय सारिणी भी लगभग तय हो गई है। पटना के लिए टाटानगर से सुबह 6 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस खुलेगी और दोपहर 1 बजे पटना पहुंचेगी। दोपहर 2 बजे पटना से खुलकर रात 9 बजे टाटानगर आएगी। टाटा-बरहमपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5.20 बजे टाटानगर स्टेशन से रवाना होकर 2.30 बजे बरहमपुर (ओडिशा) पहुंचेगी। यह ट्रेन चाईबासा होकर जाएगी। इस तरह चाईबासा को पहले वंदे भारत एक्सप्रेस का तोहफा मिलने जा रहा है। टाटानगर से सुबह 5.20 बजे खुलकर यह ट्रेन 6.10 बजे चाईबासा, 7 बजे डंगुवापोशी, भुवनेश्वर, खुरदा रोड होते हुए बरहमपुर पहुंचेगी। बरहमपुर से दोपहर 3 बजे खुलकर रात 11.55 बजे यह ट्रेन टाटानगर पहुंचेगी। टाटा पटना वंदे भारत एक्सप्रेस पुरुलिया, अनारा, भोजूडीह, गोमो, कोडरमा, गया के रास्ते पटना जाएगी। उसी दिन प्रधानमंत्री देवघर बाबा बैद्यनाथ से काशी विश्वनाथ बनारस के लिए और दुमका से रांची के लिए वंदे भारत को ऑनलाइन रवाना करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार कुछ और ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाने की संभावना है।

वंदे भारत ट्रेन का प्रतीकात्मक फोटो

टाटा से पटना के लिए सुबह 6 बजे और बरहमपुर के लिए 5.20 बजे खुलेगी ट्रेन

देवघर से दोपहर 3.15 बजे खुलेगी

वंदे भारत ट्रेन देवघर से दोपहर 3.15 बजे खुलकर जसीडीह झाझा नवादा होते हुए शाम 7.10 बजे गया होते हुए रात 10.20 बजे वाराणसी स्टेशन पहुंचेगी। वाराणसी से सुबह 6.20 बजे खुलेगी और 1.30 बजे बैद्यनाथ धाम स्टेशन पहुंचेगी। दुमका-रांची वंदे भारत ट्रेन देवघर, मधुपुर, न्यू गिरिडीह स्टेशन, राजधनवार, कोडरमा बरही हजारीबाग होते हुए रांची जाएगी। इस ट्रेन की समय सारिणी अभी सामने नहीं आई है। झारखंड में अगले कुछ महीनो में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इसे देखते हुए झारखंड को एक साथ चार वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रधानमंत्री तोहफा देने जा रहे हैं। टाटानगर स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को लेकर तैयारी जोरों पर है। इसका टायल जल्द शुरू किया जाएगा।

मंत्री ने चतरा में किया सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन

शिविर का उद्घाटन करते मंत्री सत्यानंद भोक्ता ● फोटोन न्यूज

CHATRA : राज्य के उद्योग व श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने शुक्रवार को सदर प्रखंड के देवरिया पंचायत के ग्राम देवरिया में आयोजित 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके उपरांत लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं को पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने सभी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। यहां आए मामलों का त्वरित रूप से निष्पादन हो रहा है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष नवलकिशोर यादव, जिला परिषद सदस्य चन्द्रदेव गोप, प्रमुख धनवा देवी, उप प्रमुख नीलम देवी, मुखिया गुड्डू दूबे समेत अन्य कई गणमान्य मौजूद रहे।

भाजपा का सदस्यता अभियान लोकतांत्रिक जुड़ाव और पार्टी विस्तार का उपक्रम

देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था विस्तार और प्रसार की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिला की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, एक लाख युवाओं को राजनीतिक व्यवस्था में शामिल किया जाना चाहिए, खासतौर पर उन युवाओं को, जिनके परिवार में राजनीति का कोई इतिहास नहीं है। भारत में कई राजनीतिक दलों पर लंबे समय से पारिवारिक सदस्यों का ही वर्चस्व रहा है, जहां सत्ता अक्सर अर्जित करने के बजाय विरासत में मिलती है। यह व्यवस्था क्रम आम नागरिकों के लिए बदलाव लाने के अवसरों को सीमित कर सकता है। बिना किसी राजनीतिक-पारिवारिक संबंध वाले युवाओं को राजनीति में सम्मिलित करने पर ध्यान केंद्रित करके प्रधानमंत्री मोदी परिवारवाद (पारिवारिक शासन) के पुराने मॉडल से अलग होने और राजनीति में नई आवाज और दृष्टिकोणों के लिए द्वार खोलने के विषय में स्पष्ट बयान दे रहे हैं। एक लाख युवा, जिनका राजनीतिक संबंध नहीं है, उनको लाने से राजनीतिक व्यवस्था में नए विचारों और नवीन ऊर्जा का संचार होगा। यह विचार पुराने परिवार केंद्रित मॉडल को भी चुनौती देता है और अधिक समावेशी और योग्यता आधारित राजनीतिक माहौल के लिए व्यापक मंच तैयार करता है। विभिन्न पृष्ठभूमि से आनेवाले युवा नेता वर्तमान समस्याओं के लिए नए समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं और अपनी पीढ़ी की चिंताओं का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2 सितंबर 2024 को एक प्रमुख सदस्यता अभियान की शुरूआत की है। यह प्रमुख पहल लोकतांत्रिक जुड़ाव के लिए पार्टी के समर्पण और अपने आधार का विस्तार करने में उसकी रणनीतिक दूरदर्शिता को दशार्ती है। सदस्यता अभियान उन राजनीतिक दलों के विपरीत है, जो पारिवारिक राजवंशों तक सीमित हैं और परिवारवाद (पारिवारिक शासन) की अवधारणा में उलझे हुए हैं, जहां कुछ पार्टियां पारिवारिक संबंधों के माध्यम से नेतृत्व को कायम रख रही हैं, वहीं भाजपा एक लोकतांत्रिक दृष्टिकोण अपना रही है, जो समावेशिता और व्यापक भागीदारी पर जोर देती है। लाखों नए व्यक्तियों के लिए अपनी पार्टी की सदस्यता खोल कर पार्टी एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, जहां नेतृत्व और प्रभाव विरासत के बजाय योग्यता और जुड़ाव से निर्धारित होते हैं। यह अभियान राजनीतिक भागीदारी के मानदंडों को फिर से परिभाषित करने का एक अच्छा प्रयास है। कुछ परिवारों के इर्द-गिर्द घूमने वाली पार्टियों के विपरीत भाजपा का दृष्टिकोण सभी क्षेत्रों के लोगों को पार्टी में सम्मिलित करता है और लोकतंत्र की सच्ची भावना को दशार्ता है। विविध पृष्ठभूमि से नए सदस्यों को नामांकित करके,भाजपा पारंपरिक वंशवादी मॉडल को चुनौती दे रही है, यह दिखाते हुए कि राजनीतिक प्रभाव केवल जन्मसिद्ध अधिकार से नहीं, बल्कि भागीदारी और योगदान के माध्यम से अर्जित किया जा सकता है। लाखों नए सदस्यों को शामिल करने के लिए अपने आधार का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करके भाजपा एक सहभागी राजनीतिक प्रणाली के प्रति अपने समर्पण को उजागर करती है। यह अन्य पार्टियों के विपरीत है, जहां सत्ता अक्सर कुछ परिवारों के भीतर केंद्रित होती है, जिससे उससे बाहर के व्यक्ति के लिए व्यापक जुड़ाव के अवसर सीमित हो जाते हैं। भाजपा की पहल एक अधिक गतिशील और प्रतिनिधि राजनीतिक वातावरण को प्रोत्साहित करती है, जहां नेतृत्व की स्थिति उन सभी के लिए सुलभ है, जो राजनीति में योगदान करने और सक्रिय रूप से भाग लेने के इच्छुक हैं। तीन व्यापक चरणों में नियोजित यह अभियान एक प्रशासनिक अभ्यास और एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है, जो समावेशिता और जमीनी स्तर पर भागीदारी के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पार्टी की सदस्यता को नवीनीकृत करके इस अभियान की शुरूआत की। ऐतिहासिक रूप से भाजपा हर छह साल में यह सदस्यता अभियान चलाती है। हालांकि, महामारी के कारण पिछला चक्र धीमा रहा था। अब सामान्य स्थिति की वापसी के साथ पार्टी नए उत्साह और रणनीतिक योजना के साथ इस महत्वपूर्ण अभियान को फिर से शुरू कर दिया है। सदस्यता अभियान तीन अलग-अलग चरणों में चलेगा। पहला चरण, 2 सितंबर से 15 सितंबर तक, देश भर में नए सदस्यों को नामांकित करने पर केंद्रित होगा। यह चरण अभियान की नींव रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को पार्टी के पाले में लाया जाए। इसके बाद भाजपा दूसरे चरण में प्रवेश करेगी, जो 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस चरण में कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों और सामाजिक समूहों की पहचान करने के लिए प्रारंभिक नामांकन पैटर्न का विस्तृत विश्लेषण शामिल होगा। भाजपा का लक्ष्य एक संतुलित और समावेशी सदस्यता आधार हासिल करना है। अक्टूबर के मध्य से यह अभियान तीसरे चरण में प्रवेश करेगा, जिसमें सक्रिय सदस्यों का नामांकन शामिल है। यह पार्टी के जमीनी नेटवर्क को बढ़ाने और इसके संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए बनाया गया है। इसके बाद मंडल, जिला और राज्य अध्यक्षों सहित विभिन्न पार्टी पदों के लिए चुनाव होंगे। ये चुनाव पार्टी की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू हैं और इसके भविष्य के नेतृत्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस क्रम में पार्टी कार्यकताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें 15,000 मंडलों में से 9,000 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की व्यर्थ आपत्ति

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

राज्यों के स्तर पर भी अब तक जितनी सरकारें हुईं, जिसमें असम भी शामिल है और आज के वहां जो मुख्यमंत्री हैं, वे हिमंता बिस्वा सरमा भी। उन सभी प्रदेशों और इनके मुख्यमंत्रियों ने शासन स्तर पर योजनाओं के लाभ और सांविधानिक नियमों के अनुसार अल्पसंख्यकों को मिलने वाले हितों में कोई कमी मुसलमानों के लिए कभी नहीं रखी है, जिसमें आज भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के पास मुसलमानों को मिले लाभ के आंकड़े भी मौजूद हैं। इसके बाद भी भारत की ये इस्लामिक संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद और इन जैसी अन्य इस्लामी संस्थाएं हैं कि इन्हें हर उस सरकार से शिकायत है, विशेषकर उससे जो भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं। कहना न होगा कि हिमंता बिस्वा सरमा के इस 'मियां मुस्लिम' बयान को लेकर व्यर्थ ही जमीयत उलेमा-ए-हिंद टारगेट कर रही है, जबकि वह जानती है कि मुख्यमंत्री विस्वा सरमा का ये वक्तव्य भारत के मुस्लिम नागरिकों के लिए नहीं है, जो कहा जा रहा है, वह बांग्लादेश के घुसपैठियों के लिए है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के 'मियां मुस्लिम' संबंधी बयान पर इन दिनों एक विशेष वर्ग की ओर से जमकर राजनीति हो रही है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद एवं वे तमाम संगठन इस वर्ग विशेष के अगुआ हैं, जो मुस्लिम हितों की गारंटी ही नहीं लेते, बल्कि सरकार एवं अन्य समाजों के बीच अपनी आवाज यह कहकर बुलंद करते हैं कि भारत में मुसलमानों के साथ नाइंसाफी हो रही है। उनका यह आरोप आम है कि हुकूमत उन पर बहुत जुल्म कर रही है। अब यह अलग बात है कि केंद्र की मोदी सरकार या इससे पहले की कांग्रेस या अन्य सरकारें, जिनके कार्यकाल में लगातार अल्पसंख्यकों में सबसे अधिक लाभ मुसलमानों को दिया गया और उन्होंने बहुत सफलता से उसे उठाया भी है। फिर भी इस वर्ग के अधिकतर आम लोगों को हुकूमत से शिकायत है। दूसरी ओर राज्यों के स्तर पर भी अब तक जितनी सरकारें हुईं, जिसमें असम भी शामिल है और आज के वहां जो मुख्यमंत्री हैं, वे हिमंता बिस्वा सरमा भी। उन सभी प्रदेशों और इनके मुख्यमंत्रियों ने शासन स्तर पर योजनाओं के लाभ और सांविधानिक नियमों के अनुसार अल्पसंख्यकों को मिलने वाले हितों में कोई कमी मुसलमानों के लिए कभी नहीं रखी है, जिसमें आज भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के पास मुसलमानों को मिले लाभ के आंकड़े भी मौजूद हैं। इसके बाद भी भारत की ये इस्लामिक संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद और इन जैसी अन्य इस्लामी संस्थाएं हैं कि इन्हें हर उस सरकार से शिकायत है, विशेषकर उससे जो भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं। कहना न होगा कि हिमंता बिस्वा सरमा के इस 'मियां मुस्लिम' बयान को लेकर व्यर्थ ही जमीयत उलेमा-ए-हिंद टारगेट कर रही है, जबकि वह जानती है कि मुख्यमंत्री विस्वा सरमा का ये वक्तव्य भारत के मुस्लिम नागरिकों के लिए नहीं है, जो कहा जा रहा है, वह बांग्लादेश के घुसपैठियों के लिए है। फिर भी उसे इस शब्द के बोलने पर आपत्ति है। सोचने वाली बात है कि जमीयत को ये इस हद तक बुरा लग गया कि उसने मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने तक का आग्रह कर डाला। आश्चर्य यह भी है कि जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी सीजेआई तक ही नहीं रुकते। वह गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर असम के मुख्यमंत्री पर तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जमीयत चीफ ने मुख्यमंत्री हिमंता के बयान को संपूर्ण भारत के मुसलमानों से भी जोड़ दिया है। कह रहे हैं, असम के मुख्यमंत्री का दिया यह बयान संपूर्ण भारत के मुसलमानों को एक विशेष नजरिए से देखता है। भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को मियां बुला कर सीएम ने उन्हें दूसरे दर्जे के नागरिक का दर्जा देने की कोशिश की है। अब जरा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पक्ष भी जान लेना चाहिए। असम कैबिनेट ने कुछ समय पहले ही राज्य की स्वदेशी मुस्लिम आबादी के सामाजिक- आर्थिक सर्वेक्षण को मंजूरी दी थी। साल 2022 में पांच मुस्लिम वर्गों की पहचान करके उन्हें स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में मान्यता दी गई। ये सभी असमिया भाषा बोलने वाले लोग हैं, किंतु दूसरा एक और समुदाय है, जिसे असम में मियां मुसलमान कहा गया है और ये लोग बांग्लाभाषी हैं और उनमें जो संख्या बांग्लादेश से आकर यहां बस गई है, उस जनसंख्या का अनुपात 90 प्रतिशत से अधिक बताया जाता है। इसलिए इस मुस्लिम आबादी को लेकर अक्सर यहां विवाद होता है। यहां हिमंता बिस्वा सरकार एक फिल्टर लगाने की बात करती है, ताकि बाहरी मुस्लिमों की पहचान आसान हो और उन्हें बाहर किया जा सके। हिमंता बिस्वा कहते हैं, मैं असम को मियां भूमि नहीं बनने दूंगा। असम के जनसांख्यिकी को परिवर्तित करने और स्थानीय लोगों को अल्पसंख्यक में लाने के लिए एक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अतिक्रमण चल रहा है। यह केवल मैं नहीं कह रहा, बल्कि स्वर्गीय गोपीनाथ बोरदोलोई, विष्णुराम मेधी और माननीय सुप्रीम कोर्ट का भी कहना है। यहां समझनेवाली बात यह भी है कि असम को छोड़ कर सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों में यह कानून है कि गैर-स्थानीय लोग भूमि का अधिग्रहण नहीं कर सकते। चूंकि असम में ऐसा कानून नहीं है, इसलिए बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बसने के लिए विकल्प के तौर पर इस राज्य को चुना है, जिससे उन्हें भूमि व अन्य संबंधित अधिकार जैसे-सरकारी सहायता, रोजगार, चिकित्सा-लाभ आदि प्राप्त करने में आसान मदद मिलती है। वस्तुतः यही कारण है कि आज यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों ने राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना को पूरी तरह से बदल दिया है। 1901 में राज्य का एक भी जिला मुस्लिम बहुल नहीं था। किंतु, हम देखते हैं कि वर्ष 2001 से 2011 के बीच यहां भारी बदलाव देखने में आया और राज्य के नौ में से छह जिले मुस्लिम बहुल हो गए। इन आंकड़ों पर भी गौर करें कि वर्ष 1971 में जो असम राज्य में हिंदुओं की आबादी 72.5 प्रतिशत थी, वह समय के साथ बढ़ने के स्थान पर घटती चली गई । 2001 में घटकर 64.9 और 2011 में 61.46 प्रतिशत रह गई। इसके उलट मुसलमान हैं कि उनकी जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है। 1971 में मुस्लिम आबादी 24.6 प्रतिशत थी, जो 2001 में बढ़कर 30.9 और 2011 में 34.2 प्रतिशत हो गई। यानी 10 वर्ष में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत बढ़ गई। आज मुस्लिमों की असम में बढ़ती जनसंख्या के लिए तीन अनुमान हमारे सामने हैं। एक हितेश्वर सैकिया जो वर्ष 1992 में तत्कालीन मुख्यमंत्री असम थे, उनके अनुसार बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या 32 लाख थी। दो- 2004 में कांग्रेस की मनमोहन-संप्रग सरकार ने इस बात को संसद में स्वीकारा था कि घुसपैठियों की संख्या 50 लाख तक हो गई है। तीन- उसके बाद आई मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में इन घुसपैठियों की जनसंख्या 80 लाख से ऊपर होना बताया था। जो 2011 में राज्य की कुल आबादी 3.3 करोड़ का 25 प्रतिशत हैं। अभी हाल ही में किए गए तीन अलग शोधों में यह सामने आ चुका है कि हिंदू असम में वर्ष 2040 से 2051 के बीच मुसलमानों की तुलना में अल्पसंख्यक हो जाएंगे। यहां दिक्कत यह है कि इस मुस्लिम बहुल असम में बांग्लादेशी मूल के लोग सबसे अधिक होंगे। कहना होगा कि यह मुस्लिम जनसंख्या का आंकड़ा अचानक नहीं है। यह उनकी जन्म दर के संख्यात्मक विस्फोट का परिणाम है। बांग्लादेश से घुसपैठ नहीं रुक पाने के कारण से ही यह बार-बार कहा जा रहा है कि असम का 20 वर्ष में मुस्लिमीकरण हो जाएगा। अभी नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर भी सभी ने देखा कि कैसे इसे विवाद का विषय इस्लामवादियों ने पूरे देश में बना दिया था। इसके माध्यम से पूरे विश्व को ये संदेश देने की कोशिश की गई कि मोदी सरकार असम में मुसलमानों को प्रताड़ित कर रही है। यहां पूरे असम को आग के हवाले करने में कोई हिचक इन इस्लामवादियों में नहीं थी, जबकि इससे जुड़ी हकीकत यह है कि इसे 1951 में असम के सभी निवासियों के लिए 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर लागू किया गया था। उद्देश्य भी साफ था कि 25 मार्च 1971 के पहले से जो राज्य में रह रहे हैं, उन लोगों या उनके पूर्वजों की पहचान की जाएगी और उस आधार पर जिन्हें 1951 का नागरिक पाया जाएगा, वे अद्यतन एनआरसी में शामिल हो जाएंगे । पूरा एनआरसी सर्वोच्च न्यायालय की देखरेख में किया गया था, किंतु इसके बाद भी व्यापक तौर पर एक बड़ी संख्या जो बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, अपना नाम इसमें डलवाने में कामयाब हो गए। यहां फर्जी पहचान के आधार पर कई बांग्लादेशियों ने भूमि-भवन, सरकारी लाभ भी प्राप्त कर लिए हैं । यही कारण है कि भाषाई तौर पर इनकी असली पहचान कर इन्हें राज्य से बाहर करना आज बहुत कठिन हो गया है। इस सब के बीच हमें यह जरूर याद रखना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2015 में उपमन्यु हजारिका आयोग गठित किया गया था। इस आयोग ने बांग्लादेश के साथ सटी सीमा की स्थिति पर अदालत को अपनी अहम चार रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें घुसपैठ रोकने का एकमात्र उपाय यही बताया गया था कि असम में कानून बनाकर भूमि, रोजगार, व्यापार आदि सिर्फ उनके लिए आरक्षित किया जाए, जिनके नाम या जिनके पूर्वजों के नाम 1951 के एनआरसी में मौजूद हैं, वे असम के निवासी माने जाएं और अन्य को इससे बाहर कर दिया जाए।

चीन से व्यापार : आयात और निर्यात का उलझा समीकरण

थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2024 के पहले छह महीनों (जनवरी से जून 2024) के दौरान भारत का चीन के साथ अब तक का सर्वाधिक व्यापार घाटा दर्ज किया गया है, जो 41.6 अरब डॉलर है। इस अवधि में चीन से आयात बढ़ कर 50.1 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन को सिर्फ 8.5 अरब डॉलर का निर्यात किया गया। पिछले संपूर्ण वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ भारत के व्यापार को देखें तो पाते हैं कि चीन से आयात 101.75 अरब डॉलर हुआ था। चीन को निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा तथा चीन के साथ व्यापार घाटा 85.09 अरब डॉलर रहा है। निश्चित रूप से चीन के साथ बढ़ता हुआ व्यापार घाटा देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक प्रोत्साहन आधारित उत्पादन (पीएलआई) के तहत एपीआई का उत्पादन बढ़ा कर इसके चीन से बड़े पैमाने पर होने वाले आयात में कमी की जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक चीन को खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के रणनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि इन दिनों भारत-चीन के व्यापार से संबंधित प्रकाशित हो रही विभिन्न वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इस समय भारत के पास चीन से आयात घटाने और वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाए जाने की संभावनाएं हैं। वैश्विक वित्तीय कंपनी नोमूरा ने भी हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन से ग्लोबल कंपनियां बाहर निकल रही हैं जिसका बड़ा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। नोमूरा द्वारा चाईना प्लस वन स्ट्रेटजी पॉलिसी को लेकर 130 फर्मों के साथ सर्वे किया गया है। कहा गया है कि खासतौर से भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, सेमीकंडक्टर (एसेंबलिंग, टेस्टिंग), एनर्जी (सोलर) के अलावा फार्मास्युटिकल्स सेक्टर की कंपनियों का भारत में हरसंभव सुविधा देकर स्वागत किया जाना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जी-20 की नई शक्ति से सुसज्जित भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश की भूमिका में उभर कर सामने आया है और चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में है। निश्चित रूप से दुनिया के बाजार में चीन का दबदबा तोड़ने के परिप्रेक्ष्य में यूरोपीय, अमरीका और अन्य कई देश चीन से आयात के बढ़ते खतरों के मद्देनजर चीनी आयातों पर असाधारण आयात प्रतिबंध लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विगत 12 जून को यूरोपीय आयोग ने चीन में बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 48 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाना सुनिश्चित किया है। पिछले कई वर्षों से यूरोपीय देशों की चीन से आयात पर शुल्क की दरें 10 प्रतिशत तक ही सीमित रही हैं। ऐसे में विभिन्न देशों द्वारा चीन से आयात होने वाले अनेक उत्पादों पर लगातार बढ़ता शुल्क चीन के आयात को हतोत्साहित करने की एक अहम पहल है, ऐसे में इन देशों में भारत से निर्यात की संभावनाएं बढ़ी है। वैसे चीन का भारतीय बाजारों पर जो दबदबा बना हुआ है, उसमें कमी आती दिखाई दे सकती है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। नए बजट प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। साथ ही इस सेक्टर के आयात में कमी के मद्देनजर प्रावधान किए गए हैं। निःस्संदेह एक बार फिर देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। इस बात को भी समझना होगा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है। चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं, जिनके द्वारा कल-पुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाई गई है। साथ ही देश की बड़ी कंपनियों को शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस बात पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान देना होगा कि जिस तरह हाल ही में यूरोपीय यूनियन और अन्य विकसित देशों द्वारा चीन से आयात नियंत्रित करने के लिए गैर टैरिफ अवरोध के साथ अन्य आयात प्रतिबंधों को असाधारण रूप से बढ़ाया गया है, उसी तरह भारत को संरक्षणवाद के तरीके अपनाते हुए चीन से तेजी से बढ़ रहे आयात और चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारत में जनभागीदारी और जनआंदोलन से जल संरक्षण और प्रकृति संरक्षण का अनूठा अभियान चल रहा है। गुजरात के सूरत में 'जल संचय जनभागीदारी पहल' का शुभारंभ कर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा! दुनिया में भारत का नाम रौशन करने वाले हमारे प्रतिभाशाली चैंपियन विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया से 10 राजाजी मार्ग पर मुलाकात। हमें आप दोनों पर गर्व है।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

लोकतंत्र की प्रथम इकाई पंचायत के जनप्रतिनिधि अपनी जायज मांगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। नौकरी के लिए युवा अपनी जान गंवा रहे हैं। ग्रामीण इलाकों की व्यवस्था चलाने वाले मुखिया संघ, जल सहिया, कंप्यूटर ऑपरेटर, पंचायत सचिव जैसे संगठन धरने पर बैठे हुए हैं। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इनकी समस्याओं का समाधान करने की बजाय दिल्ली में नाच रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही सभी संगठनों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा और हेमंत सोरेन जैसे संवेदनहीन मुख्यमंत्री के कुशासन से झारखंड की जनता को मुक्ति दिलाई जाएगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अमेरिका का अगला राष्ट्रपति

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रंप के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में। अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है। कमला की लोकप्रियता प्रतिदिन बढ़ने की बात कही जा रही है। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है। यह तय है कि जो भी जीतेगा भारत सरकार उसके साथ तालमेल बिठा कर काम करेगी ही। यह बात भारत-अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत हो रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही। कुछ वोट ट्रंप के खाते में भी जाएंगे, पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन तमिलनाडु के एक कुलीन ब्राह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी, जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पीवी गोपालन सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहिणी थीं। गोपालन जी सरकारी दफ्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद कमला हैरिस की मां श्यामला ने उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अमेरिका का रुख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की, जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमैका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं न कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं। उधर, ट्रंप का भी अपना खास जनाधार है। वह 2016-2020 के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रंप वह व्यक्ति भी हैं, जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे लेकर कितने गंभीर हैं या वे इसमें कितना सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है। लेकिन, कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिलेगी। लेकिन, न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रंप की जीत को विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छा मानेंगे। अब जरा बात भारत-अमेरिका संबंधों की। ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इससे भारत-अमेरिका संबंधों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाउस में ट्रंप पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं। दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनालिटी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से स्थिति और बेहतर हो सकती है। यह हमने नरेंद्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रंप और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए।

पुतिन और मध्यस्थता

जब रूस और यूक्रेन भयानक युद्ध की आग में झुलस रहे हों, तब शांति का एक हल्का सा झोंका भी खुशी व उम्मीद से भर देता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि भारत, चीन और ब्राजील संभावित शांति-वार्ता में मध्यस्थ के रूप में काम कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने इस मौके पर यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरूआती हफ्तों में इस्तांबुल में हुई वार्ता में रूसी और यूक्रेनी वाताकारों के बीच एक शुरूआती समझौता हुआ था, जिसे कभी लागू नहीं किया गया, वही छूटा हुआ समझौता आगे शांति-वार्ता के लिए जमीन तैयार कर सकता है। पुतिन अगर वाकई युद्ध से अलग कुछ सोच रहे हैं, तो उनकी प्रशंसा होनी चाहिए। वास्तव में, यह ऐसा युद्ध है, जो मानो दो भाइयों के बीच हो रहा है और इसके नतीजे कभी सुखद नहीं होंगे। अंततः वार्ता की मेज पर अमन-चैन की राह तैयार करनी पड़ेगी, यह समझ जितनी जल्दी जाग जाए, दुनिया के लिए उतना ही अच्छा है। इस युद्ध में हार-जीत बहुत मुश्किल है। रूस हार नहीं सकता और यूक्रेन को अमेरिका हारने नहीं देगा। अब पहला सवाल तो यही उठता है कि क्या वाकई रूस शांति चाहता है। क्या भारत, चीन या ब्राजील को आगे करते हुए पुतिन शांति-वार्ता के लिए लालायित हैं। क्या शांति-वार्ता या मध्यस्थता की चर्चा छेड़ना रूस की युद्ध रणनीति का नतीजा है। पुतिन ने युद्ध में जैसी निर्ममता का परिचय दिया है, उसे जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। एक दशक पहले तक उनकी छवि बहुत अच्छी थी, पर धीरे-धीरे उनकी उग्रता बढ़ती गई और दूसरे देशों के प्रति बैर-भाव भी बढ़ता चला गया। साल 2022 से ही युद्ध जारी है और ढाई वर्ष से ज्यादा समय बीत चुका है, अब भी युद्ध का अंत नहीं दिख रहा है, तो इसके लिए सर्वाधिक जिम्मेदारी पुतिन के खाते में ही दर्ज है। पुतिन ने ही पहले हमला किया और कायदे से उन्हें ही पहले हथियार पीछे करने चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Chinese handshake costing Pak dear in Balochistan

RECENT attacks on multiple targets in Pakistan's Balochistan province mark an escalation in hostilities. The attacks were a consequence of festering problems and the damage to Balochistan's sociocultural and economic fabric. A major reason for the attacks was the CPEC (China-Pakistan Economic Corridor) desire to run an ambitious communications corridor from Xinjiang to Gwadar through Balochistan, a move not supported by residents of the province.

A close ally of China for decades, Pakistan has sought to use the Chinese largesse to address many of its problems. While their India-centred agenda has several convergences, Pakistan hoped that China would align with it against India. A review of the period since 1947 reveals that while China's diplomatic and military support to Pakistan may have been overtly nuanced on occasions, its covert facilitation and huge military supplies are central to Pakistan's operational capability and vital for Pakistan's missile, nuclear and submarine development.Unfortunately, strategic relations between unequals demand concessions from the less strong partner. From the act of ceding the Shaksgam valley of Kashmir to China in 1963, based on a specious boundary settlement, to the hosting of the CPEC and virtually surrendering control of northern Gilgit, the list of Pakistan's strategic giveaways to China is long.Enabling the Chinese to reach the high waters of the Arabian Sea through the Khunjerab Pass on the Karakoram mountains up to the port of Gwadar has been one of the major giveaways. This mega plan promises to transform Pakistan with a goal of 2.3 million jobs, 2-2.5 per cent additional growth and an enormous upgrade of road, rail, industrial and electrical facilities. For China, its 12,000-km oil transportation journey from the Gulf gets reduced to 2,395 km, with a saving of about $2 billion a year (according to present estimates). It also negates China's Malacca dilemma and furthers its ambition to have a base in the Arabian Sea. The heart of the CPEC projects lies in Balochistan, a province that has never been integrated and remains restive. For the Balochis, their identity, autonomy, human rights abuse by the Pakistani state and the extraction of economic gains without returns remain major troubling issues.

Historically, Pakistan has chosen alliances mostly based on security and development-related priorities. The country's engagement with the US has given it a slew of advantages. Pakistan's centrality to the conflicts in Afghanistan, coupled with its own convoluted priorities, however, left it more divided, scarred and economically deprived. Its flawed vision of using covert entities to get leverage in Afghanistan and seek strategic depth has unravelled. Consequently, insecurity prevails in the region, including Afghanistan. In its pursuit of powerful allies like the US and China, Pakistan has neglected to integrate the western provinces and their people.A complex and twisted issue that has fomented resentment among Afghans, Pathans and Balochis is the Punjabi centralism and exceptionalism. Further, Pakistan has always preferred to use military force to deal with resistance movements instead of focusing on reconciliation. This has caused the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) and the Baloch movements to converge in resisting the Pakistani approach.

In February 2022, then Pakistani Interior Minister Sheikh Rasheed Ahmad officially acknowledged this reality. Later, in November 2022, ill-fated talks with the TTP collapsed. Five main Baloch nationalist groups have seldom been approached for reconciliation. The brutal killing of Akbar Bugti, a Baloch leader, in 2006 by the Pakistani army marked a definitive break for the Balochis. For Pakistan, pursuing powerful and demanding foreign powers while letting deep internal fractures widen is hardly strategic wisdom.

At 11,317, the year 2009 saw the highest number of fatalities because of internal conflict in Pakistan. The number slumped to 365 in 2019 due to military measures and its focus on Afghanistan.

Assembly polls ignite J&K's hopes for restoration of statehood

After years of Central rule, there is a strong desire among people to elect a government that can represent their voices.

THE three-phase Assembly elections in Jammu and Kashmir (J&K), starting on September 18, are historic, being the first after the state became a Union Territory (UT).The last Assembly elections were held in 2014 under entirely different political circumstances. As a UT, J&K has undergone significant changes since August 5, 2019. The Reorganisation Act, 2019, implemented following these changes, has resulted in new constituencies, based on the recommendations of the Delimitation Commission.The UT is abuzz with political activity. Participants include traditional regional parties, some separatist organisations, and even individuals charged under the Unlawful Activities Prevention Act (UAPA).Jamaat-e-Islami Jammu Kashmir, banned under Section 3(1) of UAPA, has fielded candidates in Kulgam, Pulwama and other areas of South Kashmir. Sugra Barkati, daughter of jailed separatist leader Sarjan Barkati who was the face of the 2016 protests in South Kashmir, had last week filed nomination on his behalf, which was rejected. Barkati may now contest from the Ganderbal Assembly seat in Central Kashmir. The brother of Afzal Guru, a convict in the Parliament attack case, may also contest.Engineer Rashid brought noticeable changes to the politics of the Valley. There was already a strong sentiment in his favour, but it remains uncertain whether a similar sentiment will be seen again. If Rashid is released from jail, he might create an impact that could benefit his Awami Ittehad Party candidates. However, without him, the main contest seems to be between the Congress-National Conference (NC) alliance and the BJP, with the Peoples Democratic Party (PDP) following behind.In this year's parliamentary election, the Congress- NC alliance secured over 41 per cent of the votes, while the BJP received 24 per cent and the PDP 8 per cent. Whether the same pattern will be observed in the Assembly elections remains uncertain. In the parliamentary elections, people in Jammu had voted for the BJP in support of Prime Minister Narendra Modi. However, dissatisfaction was seen among party workers when they protested against the first list of candidates. The BJP had to withdraw the list and release a new one.

As political parties prepare for the elections, their manifestos continue to echo familiar promises. The NC has once again included autonomy as one of its key promises. However, despite an absolute majority in the past, the party could not fulfil this promise, even after passing a resolution in the Assembly in 2000.Similarly, the PDP has also promised to pursue the restoration of J&K to its 'original status' and to establish full connectivity across the Line of Control for trade and social exchange. Both the NC and PDP have called for resuming talks with Pakistan.

The manifestos of the NC and the PDP are almost similar. However, Mehbooba Mufti has added the "resolution of the Kashmir issue" to the PDP's manifesto promises. What this means and how she intends to achieve it remains unclear though. Engineer Rashid's party has promised to prioritise "land security," and address the "issue of prisoners in various jails across the country."

In the Kashmir valley too, the BJP faces major challenges. While its ally Sajjad Lone of the People's Conference performed well in the parliamentary elections, others did not achieve success. Traditional regional parties like the NC and Congress are expected to have an advantage, and the PDP may also see gains. There is, however, some residual dissatisfaction with the PDP due to its earlier campaign against the BJP in 2014, and then its subsequent coalition with the same party. The NC appears to be the party that has made the most gains in the last four to five years.

There had been a consistent demand for the restoration of statehood before the elections. There is a widespread perception that unless the Central Government restores statehood, the next government may find it hard to address the aspirations of the people. Nevertheless, the formation of a local government will be a crucial first step toward raising voices and passing resolutions in the Assembly that could eventually lead to meaningful change. This election is seen as a clash between pre-2019 and post-2019 politics. Despite this, many across J&K, regardless of their identity, want statehood to be restored. Therefore, there is interest in parties, alliances or ideologies that promise a quick restoration of statehood.

The elections are expected to see a considerable increase in the voter turnout. Factors that previously discouraged participation, such as boycotts and threats from terror groups, are now largely absent. People are not likely to vote based on what is offered in party manifestos but rather to restore democracy in the region. After years of direct rule from New Delhi, there is a strong desire among the people to elect a government that can represent their voices.

Some narratives at the national level had suggested that Governor's rule was beneficial and welcomed by the people. While it is true that there was widespread resentment against earlier state governments, as well as corruption and backdoor appointments in the government machinery, it is not a corollary that the people desire continuous Governor's rule, regardless of how effective it may have been in the past. Given the current political scenario, there is a high possibility of a coalition government being formed.

India's export hurdles

Need to wrest the initiative from rivals

THE World Bank's (WB) latest India Development Update has some good news to offer: The Indian economy continues to grow at a healthy pace despite challenging global conditions. The WB has upwardly revised the growth forecast for the country's economy to 7 per cent from the earlier projection of 6.6 per cent in the current financial year. The not-so-good news is that India is losing out to competitors like Vietnam and Bangladesh among low-cost manufacturing export hubs. As per the WB, India needs to diversify its export basket and leverage global value chains to reach its $1-trillion merchandise exports goal by 2030.

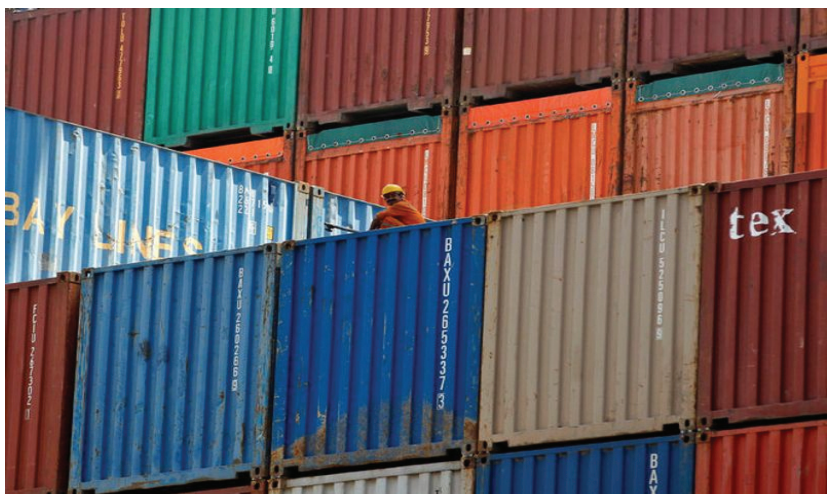

The report's unwritten message for India is that there is no room for complacency on the trade front. It is obvious that the 'Make in India' push is not really translating into a 'Make for the world' success story. And what won't be music to the Modi government's ears is the fact that the nation's share in the global exports of apparel, leather, textiles and footwear has declined from 4.5 per cent in 2013 to 3.5 per cent in 2022. The corresponding share of Bangladesh touched 5.1 per cent in 2022, while that of Vietnam reached 5.9 per cent. No less worrisome is India's increasing trade deficit (the difference between imports and exports) with China. Amid the military stalemate in eastern Ladakh, Beijing is upstaging Delhi with its no-holds-barred economic muscle-flexing. From umbrellas to musical items and toys, there is no stopping the influx of Chinese goods into India.

Political and economic instability in Bangladesh has given India an opportunity to regain lost ground. The key is to reduce production costs and improve productivity without compromising on quality. Considering India's reluctance to be part of mega trade blocs, a greater emphasis on bilateral Free Trade Agreements with Western and Gulf nations is the best bet to counter the Vietnamese-Chinese challenge.

Old wine in a new biotech bottle

Biotechnology for Economy, Environment & Employment Policy silent on timelines, investments

CLIMATE change, energy transition, waste management, sustainability, agricultural productivity, the need for new health tools and much more. India can not only address these pressing challenges through the application of biotechnology but can do so while generating jobs and contributing to the national economy. This is what the Biotechnology for Economy, Environment and Employment (BioE3) Policy released by the government on August 31 would have us believe. The only caveat is that the policy is silent on the timeframe, the quantum of investment and human resources required, the possible number or types of jobs that will be generated and the pathway to achieve the goal.The 'vision' of the policy is to "set Bharat at the forefront of the future that is more sustainable and responsive to global challenges by accelerating and harnessing biomanufacturing solutions that encompass diverse bioeconomic activities while safeguarding environmental and climate impacts." The 'goal' of the policy is "to fast-track innovation-to-technology" by weaving together fragmented activities under the umbrella of biomanufacturing and to incentivise "concrete options to build a sustainable future". The overall 'objective' is to present a framework to ensure the adoption of cutting-edge technologies and accelerate the development and production of bio-based high-value products.While presenting the policy, Department of Biotechnology (DBT) Secretary Rajesh Gokhale declared that the goal was the 'industrialisation of biology' and making India a global leader in this field. If one cuts the fluff, all that the policy document indicates is the government's intent to promote biotechnology-based industry and the use of new tools like digitalisation, artificial intelligence and machine learning. If that is so, there is nothing new here because the last policy document the DBT released in 2021 — National Biotechnology Development Strategy (2021-25) — said precisely the same thing but it was backed with timelines, financial targets and clear pathways.The goal set in 2021 by the DBT was to develop a biotechnology-led 'knowledge and innovation-driven bioeconomy' and make India a 'global biomanufacturing hub' by 2025. This was to be achieved by building a skilled workforce and enabling infrastructure for industry like bio-foundries, and incentives to the industry for developing and producing affordable products. The thrust areas identified in 2021 were climate change, food security, green energy, waste management, etc. The list has been repeated in the 2024 document, but the DBT has cleverly made no mention of previous policies and strategies to avoid questions being asked about missed goals. The only follow-up action since 2021 is a new scheme to promote bio-foundries announced in the 2024-25 Budget.

In the past four decades, biotechnology has demonstrated its potential in applications ranging from new vaccines and novel crop varieties to environmental cleanup using microbes. Indian policymakers recognised its potential early on, establishing a dedicated government department for its promotion in 1986. The DBT, in its formative years, focused on building research and education capabilities, which has made India a significant player in this field.However, the biotech-based industry was slow to pick up due to reasons such as a lack of venture capital and an enabling environment. Whatever industry developed was not a result of the DBT's programmes. The poster boy of the Indian biotech industry, Biocon, predates the formation of the DBT, and other pioneers like Shantha Biotech and Bharat Biotech took root with the help of risk financing by another government body, the Technology Development Board.

In the 2000s, the governments of Karnataka and then undivided Andhra Pradesh rolled out their policies that gave incentives to the biotech industry. The success of the Genome Valley and the IKP Knowledge Park in Hyderabad are shining examples

of a state-sponsored technology cluster developing with the active participation of the private sector. It was only in 2012 that the DBT established a commercial arm for industry promotion — the Biotechnology Industry Research Assistance Council.The government should boost the industrial base in biotechnology by leveraging existing strengths and learning from the experience. However, the new policy does not mention successful models like the Genome Valley or IKP Knowledge Park. Instead, it has rehashed the same concept and given it a new name (Mulankur Bio-Enabler Hub). These hubs, the policy says, will 'augment discovery and translational research' and 'support facilities for pilot scale and pre-commercial scale research'. This is what the functional technology clusters are doing and have successfully incubated firms that have grown to become billion-dollar companies.While unveiling a grand utopian vision of solving all problems, the policy underplays the key role of regulation (it calls regulation a 'roadblock'), the need to invest in developing technical manpower and boosting state funding for fundamental research. Regulation is critical as biomanufacturing is all about genetically modified and other organisms. At present, regulation is fragmented and opaque. The Biotechnology Regulatory Authority of India Bill has been in cold storage since 2013. Before embarking upon building a large-scale biotech industry, it would be prudent to develop a robust, autonomous and statutory regulatory system.

The DBT Secretary talks about a 'new industrial revolution' fuelled by biotechnology, like the much-celebrated IT Revolution. He should remember that the communication revolution was triggered not by a policy but by the government's resolve to develop a digital telephone exchange from scratch with a committed investment and a tight deadline. In the same way, it was the state-promoted Software Technology Parks scheme that led to an exponential growth of the software industry and the IT Revolution. Decisive government actions are more important than policy pronouncements.

Rekha Jhunjhunwala-backed Baazar Style Retail lists a flat on Dalal Street

NEW DELHI. Shares of Baazar Style Retail, backed by Rekha Jhunjhunwala, made a flat debut on the stock exchanges on Friday, listing at Rs 389 on both BSE and NSE.

Before its listing, the company's shares were trading at a premium of 12% over the issue price in the grey market.

Baazar Style Retail's IPO received strong interest from investors, with an overall subscription of nearly 41 times by the time it closed. The company intends to use the IPO proceeds to repay debt and for general corporate purposes.Based in Kolkata, Baazar Style Retail is a value fashion retailer, holding the largest retail presence in Eastern India and leading the organised value retail market in West Bengal and Odisha.

Goldman Sachs gives SBI 'sell' rating with revised target price. Know why

New Delhi Goldman Sachs downgraded its outlook for the State Bank of India (SBI), cutting its earnings estimates for FY25 and FY26 by 3% and 9%, respectively.The brokerage highlighted a growing risk-reward imbalance, driven by challenges in sustaining return on assets (RoA).Goldman Sachs forecasted that RoA would fall below 1% by FY26, down from 1% in FY24.The revised target price indicated a 9% downside from SBI's current trading level of Rs 818.60.The downgrade was due to concerns over lower net interest income and higher loan loss provisions.Goldman Sachs noted increasing credit costs because of rising slippages in MSME, agricultural, and unsecured loan portfolios.

Despite this, SBI's shares had a slight increase of 0.26% on Thursday.Analysts from Axis Securities viewed SBI as a strong player in the banking sector, aligning well with India's economic growth. The analysts highlighted SBI's focus on increasing deposits and shifting assets from investments to loans.This strategy was expected to improve its Loan-to-Deposit Ratio (LDR) and maintain its margin at 3.2% in the medium term.

Axis Securities also pointed out SBI's healthy Provision Coverage Ratio (PCR) and adequate capitalization, forecasting that the bank would maintain a RoA of 1-1.1% over the next few years.InCred Equities remained optimistic about SBI, maintaining it as a high-conviction stock and setting a target price of Rs 1,100 for the shares.

Unsold passenger vehicle inventory rises to 7.8L units: FADA

NEW DELHI. Despite an assurance by carmakers to cut down dispatches, top dealer association body FADA said inventory levels at passenger vehicle (PV) showrooms remain at alarming levels, with stock days now stretching to 70-75 days.Inventory totalling 7.8 lakh vehicles, valued at an alarming Rs 77,800 crore. The Federation of Automobile Dealers Associations (FADA) on Thursday alleged rather than responding to the situation, PV makers continue to increase dispatches to dealers on a month-to-month basis, exacerbating the issue."FADA is raising SOS signals as PV sales fell by 3.46% MoM and 4.53% YoY in August. Even with the arrival of the festive season, the market remains under significant strain due to delayed customer purchases, poor consumer sentiment and persistent heavy rains.Inventory levels have reached alarming levels, with stock days stretching to 70-75 days and inventory totalling 7.8 lakh vehicles, valued at an alarming Rs.77,800 crore," said FADA President, Manish Raj Singhania.FADA said dealers must act swiftly to stop taking on additional stock to protect their financial health. OEMs, too, must recalibrate their supply strategies without delay, or the industry faces a potential crisis from this inventory overload, it said.At the end of July, FADA had said inventory level units had surged to 67-72 days, 730,000 units or Rs 73,000 crore worth stock. Carmakers, however, have pegged the number much lower at 400,000 units. Partho Banerjee, senior executive director, marketing & sales of Maruti Suzuki, on Sunday said their network stock, at the beginning of August was 38 days, has come down to 36 days.

Banker warns of systemic risk arising from flight of bank deposits to Mfs

MUMBAI: A veteran banker on Thursday expressed concerns over the present trend of deposit flight out of banks, saying that if the trend, especially in the Casa segment, is not arrested there could be systemic risks down the lineSeeking active participation of the government and the regulator to arrest the flight of money into non-banking assets like equities and mutual funds, IBA chairman MV Rao said if the present trend needs to be contained to avoid systemic risk.

Addressing the IBA-Ficci organised national banking summit here on Thursday, Rao, who also heads the public sector Central Bank of India, said, "Our analysis of mutual fund investors has found that as much as 99% of them are not analysing the technical or fundamentals of their investments but they are following some group.

After six-seven years when the cycle turns, definitely this will have a lot of systemic risk that may come out of. Because mutual funds invest in companies or stocks and they don't make provisions unlike banks which must make provision of 20% even to AAA-rated investments".He further elaborated saying with the current generational shift, cultural changes also happen. The earlier culture of security is moving now to securitisation. People who are now keeping deposits are in the higher age group while the younger lots are moving to become investors.Admitting that the return given by mutual funds are higher, he said restricted rate of interest for many bnaking assets/products vis-a-vis mutual funds don't have restrictions. Going forward we cannot dictate the customer but give customer higher returns.Today, on average money lying in savings account will fetch one a meagre 2.75% to 5% if the amount is higher than a threshold like `1 lakh or above and mid-term fixed deposits will fetch 6.

Government starts selling onions at Rs 35/kg in Delhi and Mumbai. Check details

The National Cooperative Consumer's Federation (NCCF) and the National Agricultural Cooperative Marketing Federation have started selling onions at Rs 35 per kilogram through special vans in Delhi and Mumbai.

NEW DELHI. With onion prices soaring 47% higher than last year, the government has stepped in to stabilise costs.The National Cooperative Consumer's Federation (NCCF) and the National Agricultural Cooperative Marketing Federation have started selling onions at Rs 35 per kilogram through special vans in Delhi and Mumbai.The NCCF and NAFED, which are managing a 4.7 lakh tonne onion buffer stock for the government, will handle the retail sales through their stores and mobile vans. Onions will be sold at 38 retail locations in Delhi-NCR, as well as in Parel and Malad in Mumbai.Onions will also be available at subsidised rates on e-commerce platforms and outlets of Kendriya Bhandar and Mother Dairy's SAFAL in key consumption areas.

Currently, retail onion prices in the national capital exceed Rs 60 per kilogram, depending on quality and location.Following the launch, Food and Consumer Affairs Minister Pralhad Joshi announced that the government will expand and diversify the quantity and distribution channels for onions in response to price trends.More cities will be included soon, with the second phase starting next week, covering major cities such as Kolkata, Guwahati, Hyderabad, Chennai, Bengaluru, Ahmedabad, and Raipur. A nationwide sale is scheduled to begin in the third week of September

The government currently holds a buffer stock of 4.7 lakh tonnes of onions from the Rabi crop to manage prices.The Price Stabilisation Fund, launched under Prime Minister Narendra Modi, aims to intervene when essential commodity prices rise. Joshi assured that this move would bring relief to consumers nationwide.As of September 4, the average onion price was Rs 49.21 per kilogram, up 47.29% from Rs 33.41 per kilogram a year ago.Wholesale prices have also surged, with the all-India consumer wholesale price at Rs 4,158.

Boss Packaging Solutions makes debut on NSE SME at 25% premium

New Delhi Shares of Boss Packaging Solutions made a decent debut on the stock exchange today, after seeing massive bids earlier.The stock was listed at Rs 82.5 on the NSE SME, marking a 25% premium over its IPO price of Rs 66.The Rs 8.41 crore SME initial public offering (IPO) was available for subscription between August 30, 2024, and September 3, 2024, with each share priced at Rs 66.Boss Packing Solutions, which supplies packaging machines, labelling, capping, and filling equipment, had an issue size of a little over Rs 8 crore. Yet, it received bids worth Rs 1,073 crore.

During the three-day bidding period, the IPO saw strong demand, with overall subscriptions reaching 136.21 times. A total of 16.45 crore equity shares were bid for, compared to the 12.08 lakh shares available. The retail investor category was subscribed 165.29 times, while the 'others' category saw a subscription of 103.80 times.Boss Packaging Solutions Limited's IPO offered 12.74 lakh fresh shares, raising Rs 8.41 crore. The funds from the IPO were intended for purchasing new machinery, meeting working capital requirements, and covering general corporate expenses to help the company expand and boost its production capabilities.

Retail investors had to apply for a minimum of 2,000 shares, which required an investment of Rs 1,32,000. High Net-Worth Individuals (HNIs) needed to apply for a minimum of two lots, or 4,000 shares, with an investment of Rs 2,64,000.The company's financials are not particularly strong, with profits remaining flat for both 2022-23 and 2023-24, according to the company's Red Herring Prospectus (RHP).The company is based in Ahmedabad and operates out of a modest 500-square-yard facility. Its net debt has also increased, rising by 82% to Rs 3.06 crore in 2023 from Rs 1.64 crore the previous year.

Sensex, Nifty down 1%: What's behind today's stock market turbulence

New Delhi Domestic stock markets took a sharp dive on Friday, with the BSE Sensex plummeting by 900 points and th NSE Nifty50 dropping over 1% as well.The Sensex was trading around 81,317, while the Nifty50 slipped to 24,889 by mid-morning.Santosh Meena, Head of Research at Swastika Investmart Ltd., said the dramatic drop comes after the Indian markets had been holding steady at all-time highs.Today's market turbulence is partly linked to investor jitters ahead of the US non-farm payrolls report expected later today."One key factor could be weaker job data from the USA, fuelling concerns about a potential global economic slowdown," he said.Analysts predict an increase of 165,000 jobs and a drop in the unemployment rate to 4.2%. However, concerns about weaker job openings and a possible rate cut by the Federal Reserve have added to the market uncertainty.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, noted, "If the August jobs data falls short of expectations and unemployment rises, the Fed might cut rates by 50 basis points. This could worry the markets further, especially with fears of a potential slowdown."Additionally, India's weight in the MSCI Emerging Markets index has surpassed China's, reaching its highest level."This raises the risk of a strategic reduction in weight allocation, especially given India's relatively high valuations," Meena said.

Technical analysis

From a technical standpoint, Meena highlighted that the Sensex is currently testing a crucial support level at 24,850.If the index falls below this point, it could trigger further declines towards 24,500 and 24,000. Conversely, if the markets recover, key resistance levels are at 25,150, 25,330, and 25,500.

Sector-wise impact

The broad market decline affected all sectors. Major companies like Reliance Industries, SBI, ICICI Bank, and Infosys were among the top contributors to the drop.Sector-specific indices, such as Nifty PSU Bank and Oil & Gas, fell over 2%, while others like Auto, Media, and Metal dropped by more than 1%. Small-cap and mid-cap stocks also faced losses, down by 0.9% and 1.3%, respectively.Global outlook

Globally, MSCI's Asia-Pacific index saw a minor gain of 0.2%, while Japan's Nikkei slipped slightly. US futures also showed declines. In the domestic market, foreign institutional investors (FIIs) sold equities worth â‚¹688 crore, whereas domestic institutional investors (DIIs) bought equities worth â‚¹2,970 crore.Oil prices remained steady with Brent crude at $72.7 and US West Texas Intermediate at $69.16.

Government may slash fuel prices as global oil prices fall: Report

New Delhi. The government is considering a reduction in fuel prices in response to a significant drop in global crude oil prices, according to a Business Today report.Global crude oil prices have recently fallen to their lowest levels in nine months, which has improved profit margins for Oil Marketing Companies (OMCs). This development opens the door for potential savings to be passed on to consumers.The decline in oil prices, now at their lowest since January, has prompted discussions among key government officials.With Assembly elections in Maharashtra and Haryana approaching, the government sees this as an opportunity to offer relief to the public. Ongoing inter-ministerial talks are focused on how to best utilize the drop in global oil prices to benefit consumers, while also considering the financial health of OMCs.On Wednesday, US crude oil prices fell by over 1%, dropping below $70 per barrel. Brent crude prices also decreased by $1, reaching $72.75 per barrel.These price drops have led to speculation that the Organisation of the Petroleum Exporting Countries (OPEC) and its allies, known as OPEC+, might delay planned production increases, originally scheduled to start next month.

US crude oil prices dropped by more than 1% on Wednesday, falling below $70 per barrel. Brent crude prices followed suit, falling by $1 to reach $72.75 per barrel.

A significant factor in the recent price drop is the return of Libyan oil to the global market.Additionally, OPEC+ plans to reverse some of its voluntary production cuts starting in October, while non-OPEC countries have increased their oil output, further exerting downward pressure on prices.

Goldman Sachs has projected that oil prices could range between $70 and $85 per barrel in the near term.Even if the current lower prices are temporary, a stabilisation of crude prices around $85 per barrel would allow the government to request state-owned fuel retailers to maintain steady retail prices.In March, just before the general elections, the government reduced petrol and diesel prices by Rs 2 per litre.A further reduction in fuel prices now would provide much-needed relief to consumers, who continue to face high fuel costs.

India's household food spending dips to less than 50%: Report

The change in spending, highlighted in a recent report by the Economic Advisory Council to the Prime Minister (EAC-PM), signals a shift in how Indian families allocate their monthly budgets.

NEW DELHI. For the first time since India's independence, food spending has dropped to less than half of household expenses.This change, highlighted in a recent report by the Economic Advisory Council to the Prime Minister (EAC-PM), signals a shift in how Indian families allocate their monthly budgets.The report suggests that people, especially the poorest households, are now using their saved money to add more variety to their diets, including milk, fruits, eggs, and meat.The decrease in food spending has been mainly driven by government schemes that provide free wheat and rice, making essential grains available at no cost to many families.

The report notes that for the first time in modern India, average household spending on food has fallen below 50% of total monthly expenses. This shift is being seen as a significant change in spending habits, particularly in rural areas.

Changes in food expenditure

The EAC-PM working paper reveals that spending on cereals, a staple food category, has reduced notably, especially among the poorest 20% of households. This drop in cereal spending is seen as a direct result of the government's food security programmes, such as the Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana (PMGKAY). This scheme, which provides free grains to around 800 million people across the country, has played a key role in reducing the burden of food costs for households.The report shows that the money saved from spending less on cereals has allowed families to diversify their diets. More people are now buying milk, fruits, eggs, fish, and meat, which were previously considered luxury items for many low-income households."This change is more noticeable in the poorest households," the report said. "The free grain distribution has acted like an expansionary policy, enabling families to shift their spending from basic cereals to more nutritious and varied food options."

The issue of anaemia and iron intake

Despite this improvement in dietary diversity, the report also points out that efforts to boost iron intake have not yielded the desired results. Anaemia remains a widespread issue in the country. The paper suggests that the government's approach to fortifying cereals with iron, while simple to implement, may not be enough to combat anaemia effectively."Improving iron intake and reducing anaemia might require promoting more diverse diets, rather than relying on fortification of cereals alone," the paper mentioned.The report also highlights improvements in dietary diversity across states and Union Territories. Northeastern states like Sikkim, Arunachal Pradesh, and Tripura have seen some of the most notable gains. In other regions, states like Bihar and Odisha have made good progress in improving micronutrient intake through diverse diets, though states like Rajasthan have only seen minor changes.The rise in dietary diversity, especially for the poorest 20%, shows that better infrastructure, transport, and storage have made items like fruits, milk, eggs, and meat more accessible and affordable.

NMC Withdraws Guidelines About Sodomy, Lesbianism As Unnatural Sexual Offences

▸NMC will release the revised guidelines under Competency Based Medical Education Curriculum in due course.

New Delhi. The National Medical Commission on Thursday withdrew and cancelled guidelines under the Competency Based Medical Education Curriculum in which it had reintroduced sodomy and lesbianism as unnatural sexual offences in the forensic medicine and toxicology curriculum for undergraduate medical students. The guidelines were issued on August 31."It is informed that the Circular of even number dated 31.08.2024 thereby issuing Guidelines under Competency Based Medical Education Curriculum (CBME) 2024, stands "withdrawn and cancelled" with immediate effect. The above guidelines will be revised and uploaded in due course," the National Medical Commission

(NMC) said.

Besides sodomy and lesbianism, the NMC had brought back topics such as the hymen and its type, and its medico-legal importance in addition to defining virginity and defloration, legitimacy and its medico-legal importance. These subjects were done away with in 2022 in accordance with a Madras High Court directive.The revised curriculum under forensic medicine and toxicology also includes "Describe legal competencies including Bharatiya Nagarika Suraksha Sanhita (BNSS), Bharatiya Nyay Sanhita (BNS), Bharatiya Sakshya Adhiniyam (BSA)" besides "Protection of Children from Sexual Offences Act (POCSO), Civil and Criminal Cases, Inquest (Police Inquest and Magistrate's Inquest), and cognisable and non-cognisable offences".It talks about discussing sexual perversions, fetishism, transvestism, voyeurism, sadism, necrophagia, masochism, exhibitionism, frotteurism and necrophilia. However, distinctions between consensual sex between queer individuals have been removed, a source said.

The amended curriculum has done away with the seven-hour training on disability.At the end of teaching-learning in forensic medicine and toxicology, the student should be able to understand the medico-legal framework of medical practice, codes of conduct, medical ethics, professional misconduct and medical negligence, conducting medico-legal examination and documentation of various medico-legal cases and understand latest Acts and laws related to medical professional including related court judgments, the NMC said in its document.

Congress's fresh charge on Sebi chief: Got rent income from company under probe

Congress's Pawan Khera alleged that Madhabi Buch gave one of her properties on rent to a Mumbai company whose affiliated firm was under probe by Sebi.

New Delhi. Intensifying its attack on Sebi chairperson Madhabi Puri Buch, the Congress on Friday alleged she received rental income from an entity affiliated with a Mumbai company that the markets' regulator was investigating for various cases, including that of insider trading.

Addressing a press conference, Congress leader Pawan Khera said, "This is not just conflict of interest, but a case of out-and-out corruption. Is it ethical, is it legal?" Khera alleged that Buch gave one of her properties for rent in Mumbai in 2018-19 to Carol Info Services Ltd for Rs 7 lakh. Then, Buch was a full-time member of Sebi. He said that Carol Info Services Ltd was affiliated to Wockhardt Limited, which is being investigated by Sebi in several cases, including one of insider trading. The Congress leader claimed that Madhabi Buch received Rs 2.16 crore from Carol Info Services Ltd as rent from 2018-19 to 2023-24.

Naveen Patnaik's party expels Rajya Sabha MP for 'anti-party activities'

Biju Janata Dal (BJD) on Friday announced that the party has expelled its Rajya Sabha MP Sujeet Kumar for 'anti-party activities'.

New Delhi. Biju Janata Dal (BJD) on Friday expelled its Rajya Sabha MP Sujeet Kumar for 'anti-party activities', after he resigned from the Upper House earlier today.

"Shri Sujeet Kumar, MP, Rajya Sabha representing Biju Janata Dal is expelled from the Party with immediate effect for anti-party activities," former Odisha Chief Minister and BJD president Naveen Pzatnaik said in a statement. Patnaik added, "He has let down the Party which sent him to Rajya Sabha and hopes and aspirations of people of Kalahandi district". In his resignation letter to the Rajya Sabha chairman, Kumar said he took the decision "consciously". His resignation has been accepted by Rajya Sabha Chairman Jagdeep Dhankhar with immediate effect.

"I take this oppostiunity to express my profuse gratitude to you for the opportunities provided to me to raise issues of public importance, and of my state Odisha, in the House," the resignation letter reads.

Kumar's resignation comes a month after another BJD member, Mamata Mohanta, resigned from both the Rajya Sabha and the BJD. She was later elected unopposed to the Upper House as a BJP MP.

Chinks in INDIA bloc? AAP's Delhi MLA joins Congress

Rajendra Pal Gautam, a prominent Dalit leader and MLA from Delhi's Seemapuri, joined the Congress today. The development comes amid ongoing alliance talks between the AAP and Congress for the upcoming Haryana assembly polls.

New Delhi. In a setback to the Aam Aadmi Party (AAP), former Delhi cabinet minister Rajendra Pal Gautam joined the Congress on Friday.Gautam, a prominent Dalit leader and MLA from Seemapuri, joined the Congress in the presence of party leaders KC Venugopal, Devender Yadav, and Pawan Khera. The development comes amid ongoing alliance talks between the AAP and Congress, both members of the INDIA bloc, for the upcoming Haryana assembly polls.

Gautam's switch is also a significant gain for the Congress in Delhi, as the Grand Old Party looks to reclaim its lost voter base ahead of Assembly elections in the national capital next year.

WHO IS RAJENDRA PAL GAUTAM?

A lawyer by profession, Rajendra Pal Gautam joined AAP in 2014 and was elected as an MLA from the Seemapuri constituency in the 2020 Delhi Assembly polls. Gautam's political career has been marked by his activism for Dalit rights. He was a key figure in the AAP government, holding various portfolios including Social Welfare, SC & ST, Water and Cooperative Societies. In October 2022, Gautam resigned as a cabinet minister in the Delhi government after facing criticism for attending a mass conversion event where around 10,000 people converted to Buddhism.

The BJP had accused him of "insulting Hindu Gods and Goddesses" and demanded his removal by Chief Minister Arvind Kejriwal. Gautam had apologised and shared his resignation letter on social media.

The Delhi Congress had accused the AAP government of being "anti-Dalit" and maintained a supportive stance towards Gautam, criticising the ruling party for seeking his resignation.Gautam's departure from the AAP is the third high-profile exit from the party in recent times, following the exit of MLA Kartar Singh Tanwar and ex-Minister Raaj Kumar Anand. This series of defections may weaken the AAP's position ahead of the crucial Delhi Assembly elections.

The Congress, on the other hand, has gained a prominent Dalit leader, which could bolster its support among the community.

With Vinesh Phogat Set To Join Congress, Cousin Babita Phogat Has A Message

New Delhi. Former wrestler and BJP leader Babita Phogat on Thursday said how the "party is bigger than the individual and the country supersedes everything", amidst reports that fellow wrestlers Vinesh Phogat, who is her cousin, and Bajrang Punia are set to join the Congress ahead of the Haryana Assembly elections.

"Party is bigger than the individual and country is bigger than the party. This is my party's message to everyone! I stand by the decision of the top leadership of my Bharatiya Janata Party. Being a dedicated party worker, I will continue to discharge all the responsibilities given by the organisation," Babita Phogat, who has not figured among the party candidates for the October 5 polls, said in a post on X.

Babita Phogat also expressed gratitude to the people of her constituency Charkhi Dadri, saying: "People who always gave me their infinite love and blessings like their daughter and sister. I will always be ready to serve you in the future as well. Jai Hind, Jai Bharat."

According to reports, Olympians Vinesh Phogat and Punia will be joining the Congress on Friday, ahead of the Haryana Assembly elections. It is expected that Vinesh Phogat will contest the election from Haryana's Julana seat which is held by the Jannayak Janta Party's Amarjeet Dhanda.

The development comes mere days after the two wrestlers met with the party's leader, Rahul Gandhi on September 4. Bajrang Punia and Vinesh Phogat, along with Sakshi Malik, were among the wrestlers who protested against then BJP MP and Wrestling Federation of India President Brij Bhushan Sharan Singh, for allegedly intimidating and sexually harassing several women wrestlers.

This issue is said to have resonated during the Lok Sabha elections and is likely to be a key issue in the Haryana Assembly polls.

Supreme Court Issues Notice On 65% Bihar Quota, No Stay On High Court Order

New Delhi: The Supreme Court on Friday issued a notice to the Centre and the Bihar government on a petition challenging the High Court's order striking down a hike in reservation in Bihar to 65%, but has not imposed a stay for now.

The Rashtriya Janata Dal, which is the principal opposition party in Bihar, had moved the top court against the Bihar High Court's verdict on the increased reservation, legislation for which was passed after a caste survey last year. Reacting to the developments in the Supreme Court, the RJD said it will continue to fight for reservation and the "rights of the deprived"."Supreme Court issues notice on RJD's petition against Patna HC order quashing Bihar Reservation Amendment Act.

RJD will keep fighting for the reservation and rights of the deprived and the neglected on the streets, in the House and in the courts," the party wrote in Hindi in a post on X while also hitting out at Bihar Chief Minister Nitish Kumar and the BJP. The quota was increased from 50% to 65% for Backward Classes, Extremely Backward Classes, Scheduled Castes (SCs), and Scheduled Tribes (STs) through amendments to the reservation laws. The bills proposing the amendments were passed unanimously in the Bihar Assembly and legislative council and the hike in reservation was meant to apply to educational institutions as well as government jobs in the state. After petitioners approached it challenging the constitutional validity of the amendments, the High Court had ruled on June 20 that they were "ultra vires" of the Constitution, "bad in law" and "violative of the equality clause".

The bench said it saw "no extenuating circumstance enabling the state to breach" the 50% cap on reservations laid down by the Supreme Court in the Indra Sawhney case of 1992.

Congress, Sharad Pawar's NCP Name LGBTQ Activists For Key Posts

This follows Congress's poll promise to bring in a law to legalise civil unions between same-sex couples.

New Delhi: The Congress this week set up a new internal group to promote LGBTQ rights while Nationalist Congress Party - Sharadchandra Pawar has named a person from the community as its spokesperson, in the first such political recognition after many setbacks.The Supreme Court in 2018 decriminalised homosexuality but greatly disappointed the LGBTQ community last year when it declined to legalise same-sex marriage and left it to parliament to decide.The central government has also said the legislature is the right platform to rule on the contentious issue, and this week invited the public to share views on how best to ensure that policies for the community are inclusive and effective.

Same-sex relations are mostly taboo and the government told the Supreme Court last year that such marriages were not "comparable with the Indian family unit concept of a husband, a wife and children".Congress, whose political clout has risen after doing much better than expected in the April-June general election, this week named LGBTQ activist Mario da Penha as the head of its new unit for the community under its All India Professionals' Congress division.

This follows Congress's poll promise to bring in a law to legalise civil unions between same-sex couples.Da Penha said on X it was the "only representative framework for queer people within any recognised national political party in India".Anish Gawande, who last month became the first person from the community to become the spokesperson for the opposition Nationalist Congress Party - Sharadchandra Pawar, said da Penha's appointment was "a major moment for queer inclusion in Indian politics".

Gawande earlier said on social media of the Nationalist Congress appointment: "If you'd told me ten years ago that it would be possible to be out and in Indian politics, I would have scoffed in disbelief."The central government says it has taken a host of measures for the community, which includes enabling same-sex couples to access government food programmes as families, open joint bank accounts and choose each other as nominees, and seek medical and other care without discrimination.

The Department of Social Justice and Empowerment said in a statement on Sunday it had invited inputs from the public to ensure that policies and initiatives for the community are inclusive and effective.It did not mention any law to recognise marriages between same-sex couples.A spokesperson for the ministry did not immediately respond to a request for comment.

Brazilian court orders two slaughterhouses to pay for Amazon reforestation

A court in Brazil has convicted two beef slaughterhouses guilty of buying cattle from a protected area and directed them to pay $764,000 for causing environmental damage and reforestation of the Amazon forest.

Brasilia A judge in the Brazilian state of Rondonia has found two beef slaughterhouses guilty of buying cattle from a protected area of former rainforest in the Amazon and ordered them, along with three cattle ranchers, to pay a total of $764,000 for causing environmental damage, according to the decision issued Wednesday. Cattle raising drives Amazon deforestation. The companies Distriboi and Frigon and the ranchers may appeal.It is the first decision in several dozen lawsuits seeking millions of dollars in environmental damages from the slaughterhouses for allegedly trading in cattle raised illegally in a protected area known as Jaci-Parana, which was rainforest but is now mostly converted to pasture.Four slaughterhouses are among the many parties charged, including JBS SA, which bills itself as the world's largest protein producer. The court has not decided on the cases involving JBS.Brazilian law forbids commercial cattle inside a protected area, yet some 210,000 head are being grazed inside Jaci-Parana, according to the state animal division. With almost 80 per cent of its forest destroyed, it ranks as the most ravaged conservation unit in the Brazilian Amazon. A court filing pegs damages in the reserve at some $1 billion.

The lawsuits are based on transfer documents first reported by the Associated Press that show cattle going directly from protected areas to slaughterhouses. The documents were filled out by the illegal ranchers themselves.Part of the decision is a collective penalty of $453,000 against the five defendants, who are linked to one farm. The money will be used to reforest 232 hectares (573 acres) of what is now pasture there."When a slaughterhouse, whether by negligence or intent, buys and resells products from invaded and illegally deforested reserves, it is clear that it is directly benefiting from these illegal activities," according to a part of the original complaint which Judge Inªs Moreira da Costa sustained in her ruling. "In such cases, there is an undeniable connection between the company's actions and the environmental damage caused by the illegal exploitation."Frigon and Distriboi did not respond to questions sent by email. In a filing, Frigon argued the state of Rondonia allowed ranchers to sell the cattle and said there is no relation between buying beef cattle and deforestation. In filings, Distriboi also denies any wrongdoing.

JBS also did not reply to a request for comment.

Rondonia, on the border with Bolivia, is the most badly deforested state in the Brazilian Amazon. In the past few weeks, most cities have been covered by thick smoke from wildfires, a sign of rampant deforestation. The situation is so dire that its main airport in Porto Velho was closed for seven consecutive days.

News box

Joe Biden's son Hunter pleads guilty in $1.4 million tax evasion case

World Hunter Biden, son of U.S. President Joe Biden, pleaded guilty to federal tax charges on Thursday, a surprise move that avoids a potentially embarrassing trial weeks before the U.S. presidential election.Biden had been set to stand trial in a Los Angeles federal courthouse on criminal charges of failing to pay $1.4 million in taxes while spending lavishly on drugs, sex workers and luxury items.Judge Mark Scarsi told Biden he faces up to 17 years in prison and up to $450,000 in penalties. He set sentencing for December 16. Defendants who plead guilty in criminal cases typically work out an agreement with prosecutors beforehand, hoping to receive a lower sentence in exchange for avoiding trial.

That did not appear to be the case here.

Earlier in the day, Biden had offered to plead guilty to the charges but avoid admitting wrongdoing, an unusual legal manoeuvre called an "Alford plea." Prosecutors opposed that move.After a break, Biden's lawyer, Abbe Lowell, told the judge that he would plead guilty, despite having no prior agreement with prosecutors that would ease his sentence.In a statement after the hearing, Biden said he pleaded guilty to spare his family from having to sit through a trial that would have aired messy details from a period of his life where he was suffering from drug addiction. "For all I have put them through over the years, I can spare them this," he said. He added that he had paid back his taxes.Lowell told repoters afterward that Biden might appeal his sentence. He did not answer when asked why Biden waited until the trial's opening day to plead guilty.

Bangladesh: Hindu boy accused of blasphemy, thrashed by mob inside police station

New Delhi A 15-year-old Hindu boy named Utsav Mondal was brutally beaten by a mob inside a police station in Bangladesh after he was accused of making derogatory remarks about the Prophet Muhammad on social media.

The incident took place on Wednesday night in the Sonadanga residential area of Khulna.

Local media reports initially suggested that Mondal had succumbed to his injuries, but Khulna Metropolitan Police's Deputy Commissioner (South), Mohammad Tajul Islam, later confirmed to India Today that the teenager is alive and receiving treatment.

He is admitted to an army hospital and is out of danger," Islam said.The incident occurred around 11:45 PM when a group of local madrasa students brought Utsav to the police station, accusing him of posting "objectionable comments" on Facebook about the Prophet.Tensions escalated quickly as more students and members of the Imam Association gathered outside the police station, demanding immediate and severe punishment for the boy.Mohammad Tajul Islam recounted the sequence of events, stating that initially, the students demanded that Utsav be judged according to their own laws, which involved execution. The deputy commissioner assured them that a case would be filed under existing laws, but this did not satisfy the crowd. The situation turned volatile as the number of protestors swelled to nearly thousand by evening, creating a highly charged atmosphere outside the police station.

China's Xi promises $50 billion for Africa over next three years

BEIJING. Chinese leader Xi Jinping pledged on Thursday more than $50 billion in financing for Africa over the next three years, promising to deepen cooperation in infrastructure and trade with the continent as he addressed Beijing's biggest summit since the Covid pandemic.More than 50 African leaders and UN Secretary-General Antonio Guterres are attending the China-Africa forum, according to state media.African leaders already secured a plethora of deals this week for greater cooperation in infrastructure, agriculture, mining, trade and energy.Xi hailed ties with Africa as their "best period in history" as he addressed the leaders at the forum's opening ceremony in Beijing's ornate Great Hall of the People on Thursday.

"China is ready to deepen cooperation with African countries in industry, agriculture, infrastructure, trade and investment," he said.

"Over the next three years, the Chinese government is willing to provide financial support amounting to 360 billion yuan ($50.7 billion)," Xi said.More than half of that will be in credit, he said, with $11 billion "in various types of assistance" as well as $10 billion through encouraging Chinese firms to invest.

He also promised to help "create at least one million jobs for Africa".Xi pledged $141 million in grants for military assistance, saying Beijing would "provide training for 6,000 military personnel and 1,000 police and law enforcement officers from Africa".Guterres told the forum that growing ties between China and Africa could "drive the renewable energy revolution".

"China's remarkable record of development -- including on eradicating poverty -- provides a wealth of experience and expertise," he said.

Chinese foreign minister Wang Yi hailed the summit as a "complete success" at a joint news conference with his Senegalese and Congolese counterparts later on Thursday.

JD Vance says school shootings are 'fact of life,' calls for better security

Pheonix. Republican vice presidential nominee JD Vance said Thursday that he lamented that school shootings are a "fact of life" and argued the US needs to harden security to prevent more carnage like the shooting this week that left four dead in Georgia."If these psychos are going to go after our kids we've got to be prepared for it," Vance said at a rally in Phoenix. "We don't have to like the reality that we live in, but it is the reality we live in. We've got to deal with it."The Ohio senator was asked by a journalist what can be done to stop school shootings. He said further restricting access to guns, as many Democrats advocate, won't end them, noting they happen in states with both lax and strict gun laws. He touted efforts in Congress to give schools more money for

security."I don't like that this is a fact of life," Vance said. "But if you are a psycho and you want to make headlines, you realise that our schools are soft targets. And we have got to bolster security at our schools. We've got to bolster security so if a psycho wants to walk through the front door and kill a bunch of children they're not able."He called the shooting in Georgia an "awful tragedy," and said the families in Winder, Georgia, need prayers and sympathy.Earlier this year, Vice President Kamala Harris, the Democratic presidential nominee, toured the bloodstained Florida classroom building where the 2018 Parkland high school massacre happened. She then announced a program to assist states that have laws allowing police to temporarily seize guns from people judges have found to be dangerous.Harris, who leads the new White House Office of Gun Violence Prevention, has supported both stronger gun controls, such as banning sales of AR-15 and similar rifles, and better school security, like making sure classroom doors don't lock from the outside as they did in Parkland.

Putin backs Harris for US president, with wry smile

MOSCOW. Russian President Vladimir Putin said Thursday he supported Kamala Harris in November's US presidential election, an apparent wry remark that led to a renewed call from Washington for the Kremlin to "stop interfering".Putin was speaking a day after the United States issued indictments accusing Moscow of vote interference.

The Kremlin leader frequently comments on political and social issues in the United States, often in a mocking way.

He said last year that the US political system was "rotten" and that Washington could not lecture other countries about democracy.US officials have repeatedly warned of efforts by foreign powers to meddle in the upcoming US election, accusing Moscow of seeking to influence US ballots dating back to the 2016 contest between Trump and Democrat Hillary Clinton."Firstly, (US President Joe) Biden recommended all his supporters support Mrs Harris," Putin said during a question and answer session at Russia's Eastern Economic Forum in Vladivostok.Biden withdrew from the race in July amid concerns about his age and health, endorsing Vice President Harris to top the Democratic Party's ticket."Here, we are going to do that too, we're going to support her," Putin told the audience, with a wry smile."She laughs so contagiously that it shows that everything is fine with her," the Russian leader said."(Former US President Donald) Trump has imposed as many sanctions on Russia as any president has ever imposed before, and if Harris is doing well, perhaps she will refrain from such actions."

Responding to Putin's comments, National Security Council spokesman John Kirby on Thursday urged the Russian leader to "stop interfering" in US elections.

"The only people who should get to determine who the next president of United States is are the American people, and we would greatly appreciate it if Mr. Putin would, a) stop talking about our election, and b) stop interfering in it," he said.In February, Putin backed Biden over Trump, calling the current president more "predictable". The White House called on Putin to "stay out" of US elections in response.Trump has said he will end the Ukraine conflict within "24 hours" if he is re-elected and has praised Putin as a "very smart cookie" who had repeatedly outsmarted the United States.

Father of US teen who killed 4 in Georgia school shooting arrested

World Georgia state officials arrested the father of the 14-year-old suspected school shooter Colt Gray on Thursday in connection with Wednesday's shooting that killed four people and wounded nine at Apalachee High School.Colin Gray, 54, was charged with four counts of involuntary manslaughter, two counts of second-degree murder and eight counts of cruelty to children, the Georgia Bureau of Investigation said."These charges stem from Mr. Gray knowingly allowing his son Colt to possess a weapon," Chris Hosey, director of the Georgia Bureau of Investigation, told a media conference.Colt Gray has been charged with four counts of felony murder and would be tried as an adult, officials said.

Both Grays had been questioned by local officials in neighbouring Jackson County last year in connection with an online threat to commit a school shooting, but there was no probable cause for their arrest, the FBI said on Wednesday.

In that 2023 probe, the father said he had hunting guns in the house but that his son did not have unsupervised access to them, and the son denied making the threats online, the FBI said.

Georgia state and Barrow County investigators say the younger Gray used an "AR platform style weapon," or semi-automatic rifle, to carry out the attack in which two teachers and two 14-year-old students were killed.It remained unclear how the shooter obtained the weapon.Investigators have yet to comment on what may have motivated the first U.S. campus mass shooting since the start of the school year.Jackson County sheriff's investigators closed the case after being unable to substantiate that either Gray was connected to the Discord account where the threats were made, and did not find grounds to seek the needed court order to confiscate the family's guns, according to police reports released by the sheriff's office on Thursday.

"This case was worked, and at the time the boy was 13, and it wasn't enough to substantiate.

Singapore jails Gurkha Contingent officers for running unlawful cross-border money transfer services

Deputy Public Prosecutor (DPP) Brian Tan told the court that sometime in or before June 2021, Pratik began offering a money remittance service to the other GC officers within their camp.

SINGAPORE. Five officers from the Gurkha Contingent (GC), Singapore's most trusted police force division, were sentenced to jail terms after they pleaded guilty to operating unlawful cross-border money transfer services, with each man's case involving transactions between SGD 1,03,473 and SGD 2.86 million.They were given jail sentences on Thursday after they pleaded guilty to charges under the Payment Services Act (PSA), The Straits Times reported.The Gurkha officers from a special unit of the police force are deployed in sensitive areas here. Officer Sitaram Tamang's case involved over SGD 2.86 million in total and he was sentenced to five months in jail.

The 40-year-old had pleaded guilty to a charge under the PSA involving nearly SGD 1.6 million.Three other charges were also considered during sentencing.Dik Bahadur Gurung, 32, was sentenced to 14 weeks in jail after he pleaded guilty to two charges relating to more than SGD 1 million in total.Ganga Prasad Rai, 43, pleaded guilty to two charges involving more than SGD 6,00,000 and was sentenced to 10 weeks in jail.Ashok Kumar Thapa Magar, 39, and Mingmar Sherpa, 44, pleaded guilty to one charge each under the PSA.Mingmar's case involved nearly SGD 4,72,000, and he was sentenced to seven weeks in jail, while Ashok, whose case was linked to more than SGD 1,03,000, was ordered to spend four weeks behind bars.The prosecution said that a sixth man, Pratik Tamang, 41, is linked to some of the charges.He joined the GC in 2004 and returned to Nepal in February 2022 after his retirement.He is still at large, according to the Strait Times.Deputy Public Prosecutor (DPP) Brian Tan told the court that sometime in or before June 2021, Pratik began offering a money remittance service to the other GC officers within their

camp.According to court documents, he later recruited Ganga and Dik to work with him.He also engaged Sitaram to help him collect the money.Pratik was already in Nepal when Sitaram worked with him between February and July 2022 to provide an unlawful payment service in Singapore.DPP Tan said, "Under the arrangement, GC officers looking to remit money from Singapore dollars to Nepalese rupees (NPR) from Singapore to Nepal would contact Pratik via his mobile number."After informing Pratik of the amount in dollars that they were looking to remit, Pratik would first transfer the equivalent amount in NPR to the remitters' beneficiaries in Nepal."He would then ask the remitters to contact Sitaram in Singapore to transfer the equivalent value in dollars to Sitaram's bank account linked to the payment platform PayNow.Nearly USD 1.6 million involving 111 deposits went through the bank account.After that, Sitaram would arrange to hand over the remittance monies in dollars to Pratik, either by PayNow transfers to the latter's bank account or in cash to Pratik's friends.Between February and July 2022, Ganga engaged in a conspiracy with Sitaram and Pratik to offer a cross-border money transfer service.Ganga then collected more than SGD 2,43,000, which he handed over to Sitaram.

Feeling the heat as Earth breaks yet another record for hottest summer

The northern meteorological summer — June, July and August — averaged 16.8 degrees Celsius (62.24 degrees Fahrenheit), according to Copernicus. That's 0.03 degrees Celsius (0.05 degrees Fahrenheit) warmer than the old record in 2023.

World Summer 2024 sweltered to Earth's hottest on record, making it even more likely that this year will end up as the warmest humanity has measured, European climate service Copernicus reported Friday.And if this sounds familiar, that's because the records the globe shattered were set just last year as human-caused climate change, with a temporary boost from an El Nino, keeps dialing up temperatures and extreme weather, scientists said.

The northern meteorological summer — June, July and August — averaged 16.8 degrees Celsius (62.24 degrees Fahrenheit), according to Copernicus. That's 0.03 degrees Celsius (0.05 degrees Fahrenheit) warmer than the old record in 2023.

Copernicus records go back to 1940, but American, British and Japanese records, which start in the mid-19th century, show the last decade has been the hottest since regular measurements were taken and likely in about 120,000 years, according to some scientists.The Augusts of both 2024 and 2023 tied for the hottest Augusts globally at 16.82 degrees Celsius (62.27 degrees Fahrenheit). July was the first time in more than a year that the world did not set a record, a tad behind 2023, but because June 2024 was so much hotter than June 2023, this summer as a whole was the hottest, Copernicus Director Carlo Buontempo said.

"What those sober numbers indicate is how the climate crisis is tightening its grip on us," said Stefan Rahmstorf, a climate scientist at the Potsdam Institute for Climate Research, who wasn't part of the research.

It's a sweaty grip because with the high temperatures, the dew point — one of several ways to measure the air's humidity — probably was at or near record high this summer for much of the world, Buontempo said.Until last month Buontempo, like some other climate scientists, was on the fence over whether 2024 would smash the hottest year record set last year, mostly because August 2023 was so enormously hotter than average. But then this August 2024 matched 2023, making Buontempo "pretty certain" that this year will end up hottest on record."In order for 2024 not to become the warmest on record, we need to see very significant landscape cooling for the remaining few months, which doesn't look likely at this stage," Buontempo said.

With a forecasted La Nina — a temporary natural cooling of parts of the central Pacific — the last four months of the year may no longer be record-setters like most of the past year and a half. But it's not likely cool enough to keep 2024 from breaking the annual record, Buontempo said.

These aren't just numbers in a record book, but weather that hurts people, climate scientists said."This all translates to more misery around the world as places like Phoenix start to feel like a barbecue locked on high for longer and longer stretches of the year," said University of Michigan environment dean and climate scientist Jonathan Overpeck.

NEWS BOX

US Open: Aryna Sabalenka ready for Final after 'missed opportunity' last year

Aryna Sabalenka is determined to make the most of her second consecutive US Open final appearance after narrowly missing out on the title last year. The Belarusian tennis star revealed her resolve to "give it her all" in the upcoming final, reflecting on last year's disappointment where she lost to Coco Gauff despite winning the first set. Sabalenka secured her spot in the 2024 US Open final by defeating USA's Emma Navarro 6-3, 7-6 (7-2) on September 5 at the Arthur Ashe Stadium in a thrilling semi-final clash.In her post-match press conference, Sabalenka expressed her eagerness to make amends for last year's heartbreak and finally clinch the hard-court major. She emphasized her readiness to put everything on the line in what promises to be a high-stakes final. Sabalenka's road to the final was marked by her powerful and consistent play, which was on full display against Navarro. The Belarusian, known for her aggressive baseline game, managed to keep the pressure on Navarro throughout the match, particularly in the second-set tiebreak where she dominated to secure her place in the final."Yeah, I had really tough lessons here in the pastâ€æ I think I had so many opportunities here, but I didn't use them for different reasons. I wasn't ready. Then I got emotional. Then I just couldn't handle the crowd. I felt like I just missed the opportunity. Every time I'm coming back here, I have this positive thinking, like, 'Come, on, maybe this time'," Sabalenka said."Every time I'm hoping that one day I'll be able to hold that beautiful trophy. You know, like tough losses never make me feel depressed, like, not thinking like of not coming back on the tournament. It only motivates me to come back and to try one more time, try harder, and work harder on some things which maybe didn't work in the past. I'm still hoping to hold that beautiful trophy," Sabalenka added.In the final, Sabalenka will face Jessica Pegula, who earned her spot by defeating the world number one, Iga Swiatek, in their semi-final clash. With Pegula being the home star, Sabalenka also revealed that she is not worried to face the Arthur Ashe crowd going against her in the final."Yeah, they're cheering for her, but how can they help her to win the match? Only if I let them get into my head and only if I'm gonna just lose myself, you know, get crazy...So, yeah, that's the trickiest is the loudness of how loud it can be on this stadium,"

Pickleball Boom: The trendy, social sport is winning hearts in India too

Pickleball is booming worldwide, and India is no exception. Once played in parking lots and alleys, it's now entering the professional era. Pioneers Sunil Valavakar and Manish Rao, in conversation with IndiaToday.in, highlight the sport's rapid growth and its ability to transcend age groups and make a meaningful impact on enthusiasts' lives.

New Delhi. Ajit Pal Singh, a software engineer from Noida, first discovered pickleball through an Instagram reel. The clip showed a game that looked like a mix of tennis and badminton, piquing his curiosity. A quick Google search later, he was hooked. Six months on, Singh and three friends became regulars at a popular pickleball centre in Noida, playing almost every weekend.For early pioneers like Sunil Valavalkar and Manish Rao, spreading the word about pickleball in India was a challenge. But today, the game is rapidly capturing the attention of urban India, drawing in players aged eight to 80.It's hard to escape the growing popularity of pickleball. You must have seen Andre Agassi or Leonardo Di Caprio playing pickleball. Even Novak Djokovic, who once hinted that pickleball posed a threat to tennis, was seen trying his hand at the sport at an exhibition event before the 2023 US Open. In India, the sport has found fans in Bollywood actors and sports icons alike.It's no surprise: pickleball is among the fastest-growing sports worldwide, and India is no exception.Rajat, a 23-year-old finance professional, was introduced to the sport by Singh. He now makes a 50km trip from Gurugram to Noida every weekend to play."It's less strenuous than tennis and a bit different from badminton," Rajat says. "The sound of the paddle hitting the ball reminds me of cricket. As a cricket lover, I enjoy it a lot. It's become a weekly affair."Pickleball's simple learning curve, social nature, and low physical impact have contributed to its widespread popularity. Its accessibility makes it appealing across age groups, and it's being embraced both recreationally and competitively.

A PANDEMIC BOOM

The pandemic provided an unexpected boost for pickleball. It proved to be a "blessing in disguise" for the sport. People gravitated to the sport during lockdowns due to its ease of setup and suitability for socially distanced play. It became a common sight in alleys and parking lots across cities.

In the United States of America, pickleball

surged so much that tennis courts were repurposed for it, as four pickleball courts can fit into one tennis court. More courts meant more players and more revenue, catching the attention of investors and sports equipment manufacturers like Selkirk, which started sponsoring players.

India saw a similar boom after the pandemic. A pickleball tournament with prize money worth USD 100,000 was held as recently as August 2024. India has been hosting major tournaments and Indian pickeball players have begun to win medals in prestigious overseas competitions. An Indian Premier League-styled league for pickleball is also set to start by the end of 2024 or early 2025.

THE BASICS OF PICKLEBALL

1. Pickleball Equipment

Paddle: A solid paddle, larger than a ping-pong paddle but smaller than a tennis racket, made of wood, composite, or graphite.

Ball:: A lightweight plastic ball with holes, similar to a wiffle ball, which travels slower than a tennis ball.

2. Court Dimensions

The court measures 20x44 feet, same for singles and doubles.

A 7-foot no-volley zone near the net, called the "kitchen", prevents volleys unless the ball bounces.

3. Gameplay

Objective: Hit the ball over the net into the opponent's court without return.The serve is underhand and must bounce before being returned.The serving team can only score points; games go to 11 points, with a 2-point win requirement.

4. Serve and Return Rules

Double-bounce rule: Both teams must let the ball bounce once after the serve before volleys are allowed.

PICKLEBALL'S ORIGINS AND ARRIVAL IN INDIA

Pickleball originated in Bainbridge Island, Washington, in 1965. Three friends -- Pritchard, Bill Bell, and Barney McCallum-created the game using makeshift equipment, and it quickly gained local popularity.In India, the credit for introducing pickleball goes to Sunil Valavalkar, the founder of the All India Pickleball Association (AIPA). Valavalkar first encountered the sport when he went to British Columbia as a Project Supervisor for an Indo-Canadian Youth Exchange Program of the Government of India in 1999. There, he was hosted by a sports enthusiast.

PM Modi praises Kapil Parmar for 'special' Paralympics Judo bronze medal

Prime Minister Narendra Modi hailed Kapil Parmar's historic bronze medal in Judo at the Paris Paralympics, marking India's first-ever Judo Paralympic medal and celebrating the inspiring journey of the visually impaired para-athlete from Madhya Pradesh.

New Delhi. Prime Minister Narendra Modi extended heartfelt congratulations to Kapil Parmar on his remarkable bronze medal victory in Judo at the Paris Paralympics. In a special post on his official X account, PM Modi hailed Parmar's achievement as a "special medal" win for India, celebrating his historic accomplishment as the first-ever Judo medallist for the country at the Paralympics.

The 24-year-old visually impaired para-athlete from Shivor, Madhya Pradesh, secured the bronze in the men's -60kg J1 category by defeating Brazil's Elielton de Oliveira in just 33 seconds with a stunning Ippon. Parmar's victory is a significant milestone, raising India's medal tally at the Games to 25, including five gold, nine silver, and 11 bronze medals."A very memorable sporting performance and a special medal! Congratulations to Kapil Parmar, as he becomes the first-ever Indian to win a medal in Judo at the Paralympics. Congrats to him for winning a Bronze in the Men's 60kg J1 event at the #Paralympics2024! Best wishes for his endeavours ahead,"Parmar, who had already made a name for himself by winning a silver medal in the same category at the 2022 Asian Games, showcased his prowess by defeating Venezuela's Marco Dennis Blanco 10-0 in the quarterfinals. His journey to the Paralympics was not without challenges. As a child, Parmar suffered a severe electric shock after accidentally touching a water pump while playing in the fields, leaving him in a coma for six months.

Despite this life-altering experience, Parmar's triumph at Paris turns out to be one of the key highlights of India's Paralympcis 2024 campaign.

Messi's heartfelt farewell to Angel Di Maria on retirement: We'll miss you a lot

New Delhi, Lionel Messi sent a heartfelt farewell message to Angel Di Maria as the Argentine winger announced his international retirement, receiving a moving tribute at the Estadio Mâs Monumental ahead of Argentina's FIFA World Cup qualifier against Chile. Angel Di Maria called time on his 16-year international journey with Argentina following their Copa America 2024 triumph on July 15.The 36-year-old winger made significant contributions to Argentina across four World Cups (2010, 2014, 2018, and 2022), playing a crucial role in the team that reached the final in Brazil in 2014 and ultimately clinched the World Cup in Qatar 2022. In an emotional tribute video, Messi congratulated Di Maria on his illustrious international career, ending with a touching note that brought tears to Di Maria's eyes.

"I hope you enjoy this evening a lot with your family and loved ones. We've said everything we needed to say...We shared so much, and who would have thought it would

end this way? We'll miss you a lot. See you soon,"In Copa América competitions, Di Maria experienced the agony of near victories, finishing as a runner-up in 2015 and 2016, before finally achieving glory in 2021. His decisive goal against Brazil at the Maracan£ Stadium secured the long-awaited continental trophy, cementing his status as one of Argentina's most iconic players.During the tribute ceremony, the entire Estadio Mas Monumental erupted in a standing ovation for Di Maria. The players formed a guard of honor for him and his family before lifting him high into the air in celebration. The ceremony featured a video montage with messages from former greats and Messi himself, all acknowledging Di Maria's exceptional career with Argentina.

Harshit Rana's 'flying kiss' celebration returns after Gaikwad's wicket

New Delhi Indian pacer Harshit Rana's iconic flying kiss celebration made a return on Day 1 of the Duleep Trophy tournament. His infamous send-off has been the talking point since IPL 2024 and Harshit brought it back again. Harshit, while playing for India D, got the wicket of India C captain Ruturaj Gaikwad. During the 7th over of India C's first innings, Harshit bowled a short of length delivery outside the stumps and Gaikwad edged it only to be caught at the slips. India D erupted in celebrations and Harshit Rana gave his infamous 'flying kiss' gesture. However, this time it was not directed towards the batter he dismissed but to the dressing room.

Gaikwad managed to score just five runs in 19 balls in his short stay at the crease. Earlier, Harshit also dismissed opening batter Sai

Sudharsan for just seven runs from 16 balls. Harshit provided his team just the kind of start which they needed as India C were reduced to 14/2 in first seven overs. Interestingly, Harshit's flying kiss celebration caught everyone's attention during the IPL 2024 when he was representing KKR.

Harshit's flying kiss celebration

When Harshit faced ban for his send-off

He gave a flying kiss send-off to Mayank Agarwal after dismissing him during KKR vs SRH match on March 23. Later, the KKR fast bowler Harshit Rana was suspended for a match and fined 100 percent of his match fee for breaching the IPL Code of Conduct for the second time in the IPL 2024 season. Harshit's second offence came during KKR's win against Delhi at Eden Gardens on April 29. He came up with an animated gesture towards DC's Abhishek Porel after getting his wicket.Later, the KKR team's co-owner Shahrukh Khan asked the entire squad to give a flying kiss as part of their celebration on lifting the ICC trophy.Meanwhile, Harshit will be aiming to impress the selectors and offer his contention for the upcoming big home season. He was selected in the T20I squad for Zimbabwe and ODI squad for the Sri Lanka series.

Vikram Rathour, Rangana Herath to help New Zealand prepare for Test season in Asia

New Delhi Former India batting coach Vikram Rathour and legendary Sri Lanka spinner Rangana Herath have joined New Zealand team to help them prepare for their upcoming Tests in Asia. Notably, New Zealand will take on Afghanistan in a one-off Test from September 9 in Greater Noida, India and will further lock horns with Sri Lanka and India for five Tests.Ahead of a crucial Test season in Asia, New Zealand Cricket have secured the services of Rathour and Herath to help them succeed in the alien conditions. Rathour, who was recently part of the Indian coaching staff as batting coach under Rahul Dravid, will be with the team for the one-off Test against Afghanistan.On the other hand, Herath will be with the team till the two-match series against Sri Lanka beginning from 18th September. The former left-arm spinner has joined the team in place of former Pakistan spinner and coach Saqlain Mushtaq, who was expected to take up the role earlier but pulled out to take up a position with the Pakistan Cricket Board (PCB).New Zealand Head Coach Gary Stead expressed excitement on the joining

of the two new members and said that both will add on to the knowledge and skill set of the team."We're really excited to introduce Rangana and Vikram into our Test group. Both men are held in high regard in the world of cricket and I know our players are really looking forward to the opportunity to learn from them," said Stead in a media release.Stead banking on Herath's experience to succeed in Sri Lanka

Further speaking ahead, Stead mentioned how Herath's influence will massively help their left-arm spinners Ajaz Patel, Rachin Ravindra and Mitchell Santner in the Sri Lanka series."For our three left-arm orthodox spinners in particular, Ajaz, Mitch and Rachin, having the chance to work with Rangana across three Tests on the sub-continent will be hugely beneficial. Rangana has taken over 100 Test wickets in Galle which is the venue of our two Tests against Sri Lanka and so his knowledge of that venue will be priceless," he added.Meanwhile, New Zealand are currently ranked on the third spot in the World Test Championship standings with three wins from six matches having a points percentage of 50%. The upcoming Tests against Sri Lanka and India are extremely crucial for the Blackcaps to climb higher on the table or maintain their position.

Duleep Trophy: Anantapur stadium packed, Chinnaswamy stands in Bengaluru empty

Duleep Trophy: Huge crowd turned up at the Anantapur stadium in Andhra Pradesh for India C vs India D match. Meanwhile, the stands at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru were empty.

New Delhi, India's much-anticipated domestic season started off on a high with 2 cracker of contests underway between India A-B and India C-D. Day 1 witnessed many notable performances from the Indian players, with Musheer Khan scoring a century and Axar Patel playing a heroic knock of 86 runs while also picking two wickets. The fans also seemed excited over the start of India's home season. The Duleep Trophy matches will be hosted in Bengaluru and Andhra Pradesh's Anantapur. Hence, M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru, Rural Development Trust Stadium and ACA ADCA Ground in Anantapur are the venues of the matches.The Day 2, being Friday, saw huge crowds turning up in stadiums to cheer for the players. However, it was the Rural Development Trust Stadium in Anantapur, which saw fans arriving in huge numbers to fill-up the stands. The Anantapur stadium is hosting the India C vs India D clash with players like Ruturaj Gaikwad, Shreyas Iyer, Axar Patel, Devdutt Padikkal and Arshdeep Singh participating. The fans flocked to the stadium to support the star

players.

The craze among Anantapur crowd

Meanwhile, the M Chinnaswamy Stadium is hosting India A vs India B with stars like Shubman Gill, Rishabh Pant, Kuldeep Yadav, Yashasvi Jaiswal and Shivam Dube playing. However, there was not as much crowd in the Chinnaswamy stands, despite the participation by many star players.The fans on social media also urged BCCI to hold more games in Rural Development Trust Stadium, seeing the craze among localites.

More matches in Anantapur?

Earlier, there was a stampede-like situation at the Anantapur stadium as people arrived in big numbers to get the tickets of the Duleep Trophy matches. The Anantapur crowd also showcased their passion for cricket. Spectator interest perks up significantly once domestic matches are taken to smaller towns.The rising stars also look forward to a change in the monotony of playing before empty stands by performing in front of packed stadiums. Anantapur stadium lived up to that expectation this Friday and the numbers are only expected to increase over the weekend.

Shweta Tiwari

Unbuttons Her Shirt, Looks Hottest In Pink; New Photos Go Viral

Who would believe that Shweta Tiwari 42 and a mother of three? The actress, popularly known for her role as 'Prerna' in the hit show Kasautii Zindagii Kay, often drops pictures of herself on social media, leaving everyone stunned. On Thursday too, Shweta took to her Instagram handle and shared a series of photos which are now setting fire online.In these latest photos, Shweta Tiwari was lying on a bed in an unbuttoned pink shirt. She left her tresses open and opted for minimal makeup. The actress' hot avatar and seducing looks left everyone gasping for breath. Check it out here:

Soon after the pictures were shared online, fans rushed to the comments section to compliment the actress. "National crush to yehi hai bhai," one fan wrote. Stunning and gorgeous—that's you!" added another. Those eyes," a third comment read.Shweta Tiwari became a household name after she was featured in the popular daily soap Kasautii Zindagii Kay. She is also known for shows like Hum Tum and Them, Main Hoon Aparajita, Mere Dad Ki Dulhan, Indian Police Force, Parvarrish – Kuchh Khattee Kuchh Meethi and Begusarai among others. Shweta will also be playing the role of an intelligence officer in Ajay Devgn's Singham Again.

Recently, in an exclusive conversation with News18 Showsha, Shweta confirmed that she will soon be collaborating with Karan Johar. She spilled the beans on her next with the filmmaker's production house and said, "I'm doing Dharma Productions' upcoming web series. In that, I play a don-like character who wears a saree and smokes cigarettes (laughs). It was a very challenging role and that's why I wanted to do it."Though she remained tight-lipped about other details, Shweta shared that she's ready for smaller roles in this new chapter of her career. "I've always told myself – 'do what you like.' I've been a lead face in television but when I'm stepping out and foraying into something else, I want to explore different parts. I know that I've to accept smaller roles if I want to work with a certain director or an actor. I want to make my debut in different avenues every five years," she added.

Natasa Stankovic

Looks Her Sexiest Best In White Outfit After Returning To Mumbai

Natasa Stankovic is currently enjoying some quality time in India. On Thursday afternoon, the actress took to her Instagram handle and dropped a couple of pictures which are now setting fire online. In these latest clicks, Natasa was seen flaunting her curves in a white thigh-high slit gown which had feathers all over. She opted for matching heels, minimal accessories and left her tresses open. Needless to say, the actress looked prettiest as always.Soon after the photos were shared online, fans rushed to the comments section to compliment the actress. While one of the users called her "hottest", another wrote, "You are gorgeous". Several others also dropped fire emojis in the comments section. Check it out here:

Natasa Stankovi, who lives in Serbia after her separation with cricketer Hardik Pandya, returned to Mumbai earlier this week with their son, Agastya. On Wednesday too, Natasa was snapped by the paparazzi as she stepped out for dinner with her friends. She looked effortlessly chic in a black strappy, pleated long dress.Natasa Stankovi, who lives in Serbia after her separation with cricketer Hardik Pandya, returned to Mumbai earlier this week with their son, Agastya. On Wednesday too, Natasa was snapped by the paparazzi as she stepped out for dinner with her friends. She looked effortlessly chic in a black strappy, pleated long dress.

Natasa and Hardik, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. They issued a joint statement and mentioned that it was a "tough decision" for both of them and added that they will continue to co-parent their son, Agastya.Later, a report by Times Now claimed that Natasa and Hardik parted ways because the cricketer was "too full of himself". "He was too flamboyant for her, too full of himself. Natasa could not handle it anymore. She realised that there was a major gap between how they were as people. She tried to match it up to him but it made her feel uncomfortable. This was a never-ending process so it became tiring after a while. Natasa was not able to keep pace hence she decided to take a step back," a source cited by the portal claimed.

Krushna Abhishek Says His Relationship With Kashmera Started With a 'One Night Stand': 'We Were Not Serious'

When Kashmera Shah marked her 18 years of togetherness with Krushna Abhishek earlier this year, she penned down an emotional note on social media and revealed how a lot of people initially thought that their relationship would not last long. Now, in an interview, Krushna has jokingly revealed that their relationship started only as a 'one night stand'.Krushna Abhishek was speaking to ETimes when he recalled how happy he was when he started to date Kashmera. "Kash was a hot, sexy and popular actress working with Shah Rukh Khan and Jackie Shroff. I was a newcomer then. The age difference was not important. I connected with her and enjoyed flaunting her as my girlfriend, saying, 'Dekho main Kashmera Shah ko date kar raha hoon'," he said.

The actor, known for his appearances on Kapil Sharma's comedy shows, revealed that they first met on a film set in Jaipur. He admitted that they were not serious about each other initially and thought that their dating would not last long. However, things changed with time and they became each other's best friends."I first met her on a film set in Jaipur, where we were casually introduced and eventually became friends. One day, she called me to her room for dinner, and that's how our relationship started…with a one-night stand (laughs). Funnily, the joke we share is how, after that one dinner, I just stayed back with her!" he said."Initially, we were ot serious about each other, we travelled and had a good time for many years. When we started dating, we were not thinking of marriage and felt it would end in a few months. But I was always happy around Kashmera. We are each other's best friends. People often joke about how Krushna likes two things: Kash and cash!" the actor added.

When Sobhita Dhulipala Said She 'Looks Forward To Motherhood': 'By Being Coupled You Feel...'

Sobhita Dhulipala has caught everyone's attention after she recently got engaged to Naga Chaitanya. Fans are eagerly awaiting any news about their wedding. Amid this, an interview with the actress from earlier this year has got fans buzzing. In the interview, Sobhita said that she is looking forward to motherhood next in life.hen asked about the meaning of life for her, Sobhita told ABP News, "I don't think life can have a purpose. I do think that we come between two shores. There is a river, and life is that boat that passes from one shore to another. So I feel like in life, whatever you do, do it and enjoy it, but there is a certain detachment I feel towards everything. I can't be too detached, because then we won't have any ambition. But somewhere I walk the tightrope between being a little disconnected and doing my own thing."

"From life, what do I seek? To be honest, I think the experience I look forward to is motherhood, whenever that happens. I feel it would be amazing," she added. Sobhita also spoke about balancing parenthood and a career. "We don't pick between taking care of our parents and going for a job. So I feel my role as a daughter and my role as a sister, my role at work as a professional and my role as a wife will work in parallel," she said."I feel like even if someone is not very financially secure, very often, by being coupled, you feel like you have a partner who will support you. There are women who do a lot, and there are many stories of men who also support their wives in doing whatever they want to do. So I don't think it's this or that. I am very pro-balance. I have things that I'd love to experience, and I love to hit certain goalposts, but my idea of success is not vertical; it's more horizontal," the actor added.

Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala got engaged last month. The couple was dating for almost two years before they announced their engagement. Making their relationship public, the couple shared a poetic message, quoting, "What could my mother be to yours? What kin is my father to yours anyway? And how did you and I meet ever? But in love our hearts are as red earth and pouring rain: mingled beyond parting." This verse from Kurunthogai, translated by A.K. Ramanujan, beautifully encapsulates their love.